राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020

चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

के अंतर्गत

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या-संरचना (LOCF)

के अनुरूप

राजनीति विज्ञान के पाठ्यक्रम की रूपरेखा

राजनीति विज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

अनुक्रम

1.	विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)
2.	विद्यापीठ की कार्य-योजना (Planning oftheSchool)
3.	विभाग/ केंद्र के कार्यक्रम (Programmesof the Department/Centre)
4.	कार्यक्रम के लक्ष्य (Programme Goals)
5.	कार्यक्रम कोड (Programme Code)
6.	कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)
7.	पाठ्यचर्या संरचना (Course Structure)
8.	पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)
9.	अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs)
10.	पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents)
11.	शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools)
12.	अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOs)
13.	पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)
14.	मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning)
15.	अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University) :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानसंख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणत: हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

2. विद्यापीठ की कार्य-योजना (Planning oftheSchool) :

3. विभाग/ केंद्र के कार्यक्रम (Programmesof the Department/Centre) :

श्रेणी (Category)	कार्यक्रम (Programme)
शिक्षण कार्यक्रम (Teaching Programme)	❖ सर्टिफिकेट (Certificate) ❖ डिप्लोमा (Diploma) ❖ स्नातक (Graduate) ❖ विशेष स्नातक (Special Graduate) ❖ परास्नातक (Post Graduation) ❖ स्नातक-सह परास्नातक
शोध कार्यक्रम (Research Programme)	पी-एच.डी. (Ph.D.) X
शोध परियोजना (यदि कोई है) **(Research Project** (if any)**)**	X
प्रकाशन-योजना(यदि कोई है) **(Publication Plans** (ifany)**)**	X
ज्ञान -वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowiedge	• व्याख्यान • संवाद कक्षा • व्यावहारिक एवं क्षेत्र कार्य

4. कार्यक्रम के लक्ष्य (Programme Goals) :

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
• राजनीति विज्ञान पाठ्यक्रम छात्रों को ऐसी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है जो उनमें राजनीतिक जागरूकता उत्पन्न कर एवं उसे बढ़ावा देकर आत्मनिर्भरता को पुष्ट करता है। • पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राजनीतिक,सामाजिक और आर्थिक न्याय की समझ को पुष्ट करना है। • सामाजिक विज्ञान के विविध अनुशासनों में हो रहे ज्ञान के विस्तार को ध्यान में रखकर विद्यार्थियों में सघन सैद्धांतिक दृष्टि का विकासकिया जाएगा। • समसामयिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संबंधों एवं सामाजिक मुद्दों के प्रति समझ विकसित होगा। • राजनीतिक व्यवस्था एवं राजनीतिक प्रक्रिया के संचालन की विधाओं का ज्ञान होगा। • विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान की आगमनात्मक एवं निगमनात्मक सहित विभिन्न अध्ययन पद्धतियों एवं सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्योंसे परिचय होगा। • विद्याथियों में राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं एवं उनके समाधान हेतु समझ विकसित होगा।	• विकसित एवं अध्ययन पद्धति संबंधी अनुप्रयोगों सेसैद्धांतिक दृष्टि एवं कौशल विकसित होगा। • अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, क्षेत्रीय एवं स्थानीय राजनीतिक मुद्दों को समग्रता व स्पष्टता में देखने व विश्लेषित करने की दक्षता विकसित होगी। • समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा कार्य के प्रति रुचि का विस्तार होगा। • विशिष्ट ज्ञान, अभिवृत्ति और मूल्य के अभ्यास का विकास होता है। • राजनीतिक एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान का कौशल विकसित होगा। • नैतिक और व्यावसायिक व्यवहार का विकास होगा तथा सुशासन की दृष्टि से जनसहभागिता एवं उत्तरदायित्व पूर्ण जीवन दृष्टि का विकास होगा। • अग्रिम राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक, मानवाधिकार और पर्यावरणीय न्याय संबंधी समझ का विकास होगा। • राजनीतिक क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास संबंधी कौशल का विकास होगा। • व्यक्तियों, परिवारों, समूहों, संगठनों और समुदायों के साथ राजनीतिक गतिविधियों एवं हस्तक्षेप संबंधी कौशल का विकास होगा। • राजनीतिक एवं प्रशासनिक योजना निर्मिति एवं उसकेक्रियान्वयन संबंधी कौशल का विकास होगा।	• माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में शिक्षण एवं शोध का अवसर। • मानव संसाधन विशेषज्ञ के रूप में अवसर। • राजनीति विज्ञानी के रूप में अवसर। • प्रशासनिक सेवा एवं उच्च शिक्षा में अवसर। • शहरी और ग्रामीण नियोजन में अवसर। • लेखन व स्वतंत्र पत्रकारिता में अवसर। • पब्लिक रिलेशन में अवसर। • अन्तर्राष्ट्रीय सहायता एवं विकास के क्षेत्रों में अवसर। • राजनीतिक विश्लेषक, सोशल मीडिया मैनेजर एवं राजनीतिक सलाहकार के रूप में अवसर। • सरकारी एवं गैर-सरकारी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनोंविकसित एवं विकासशील देशों के लिए जागरूकता अभियानों और परियोजनाओं में राजनीतिक-सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में सेवा का अवसर।

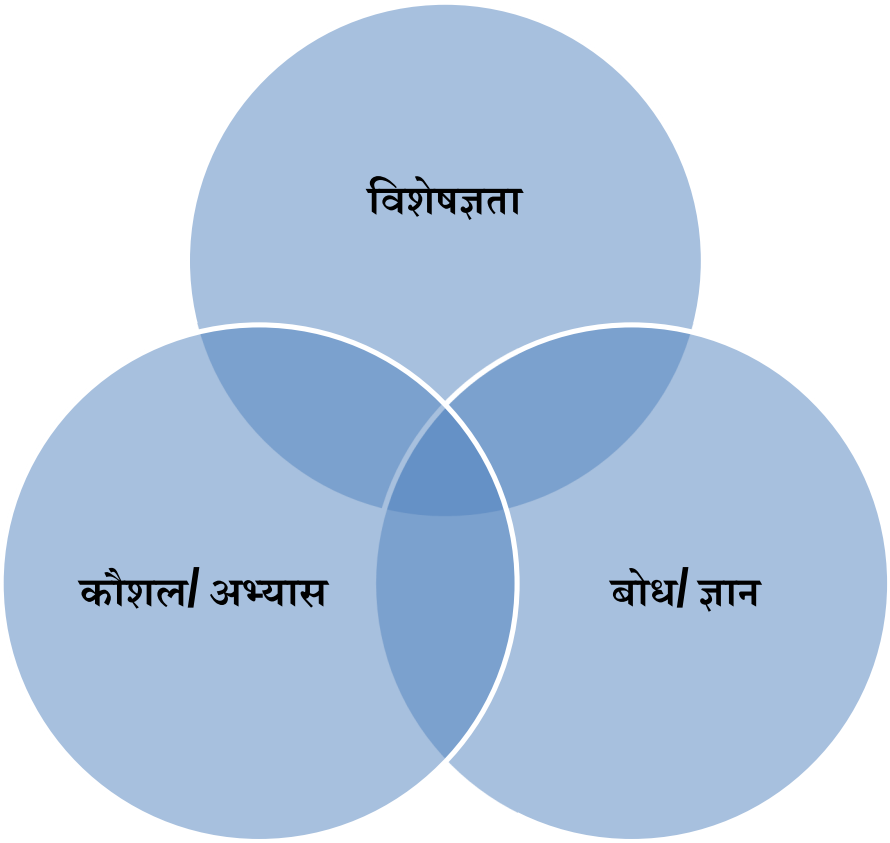

राजनीतिशास्त्र में एकीकृत डिग्री कार्यक्रम ढांचा

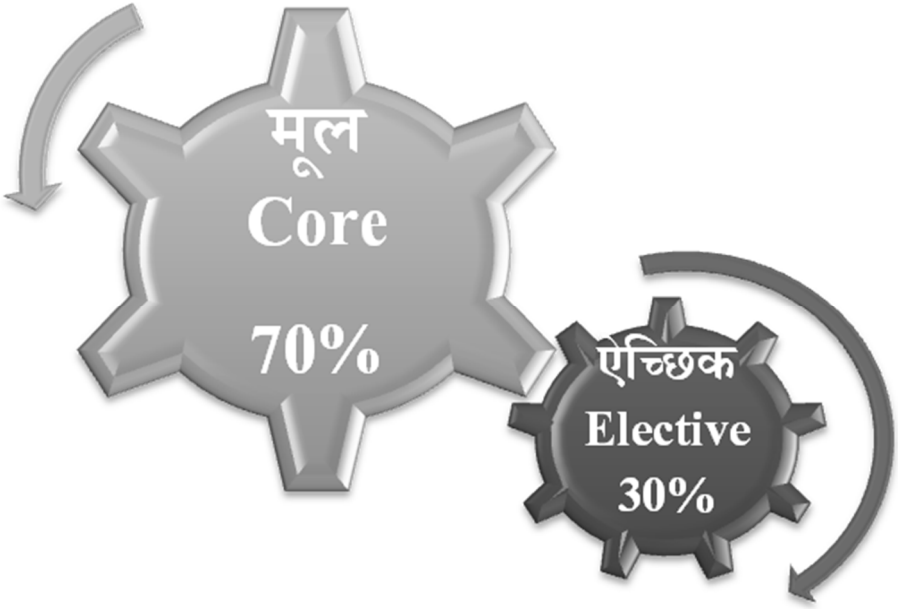

वर्ष	सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (CoreCourse)			ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)			योग
प्रथम वर्ष	प्रथम सेमेस्टर	**GPPS-C-101**	राजनीति विज्ञान के सिद्धांत Principles of Political Science	4				20क्रेडिट
		GPPS-C-102	संविधान एवं सरकार का संगठन Organization of Constitution and Government	4				
		GPPS-C-103	प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएँ Major Political Ideologies	4				
	द्वितीय सेमेस्टर	**GPPS-C-104**	भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास Freedom Struggle and Constitutional Development in India	4				20 क्रेडिट
		GPPS-C-105	भारत का संविधान Constitution of India	4				
		GPPS-C-106	विश्व के प्रमुख संविधान Major Constitutions of the World	4				
द्वितीय वर्ष	तृतीय सेमेस्टर	**GPPS-C-107**	प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन Ancient and Medieval Indian Political Thought	4				
		GPPS-C-108	पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन Western Political Thought	4				
		GPPS-C-109	लोकप्रशासन के सिद्धांत Principles of Public Administration	4				
	चतुर्थ सेमेस्टर	**GPPS-C-110**	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन-1 Modern Indian Political Thought-1	4				
		GPPS-C-111	आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन Modern Western Political Thought	4				
		GPPS-C-112	भारतीय प्रशासन Indian Administration	4				
तृतीय वर्ष	पंचम सेमेस्टर	**GPPS-C-113**	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन-2 Modern Indian Political Thought-2	4				
		GPPS-C-114	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतTheory of International Politics	4				
		GPPS-C-115	भारत की विदेश नीति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध Indian Foreign Policyand International Relations	4				

	षष्ठ सेमेस्टर	**GPPS-C-116**	द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंतर्राष्ट्रीय राजनीति International Politics After Second World War	4				
		GPPS-C-117	संयुक्त राष्ट्र एवं मानवाधिकार United Nations and Human Rights	4				
		GPPS-C-118	भारतीय शासन एवं राजनीति Indian Government and Politics	4				
चतुर्थ वर्ष	सप्तम सेमेस्टर	**GPPS-C-119**	तुलनात्मक शासन एवं राजनीति Comparative Government and Politics	4				
		GPPS-C-120	शोध प्रविधि Research Methodology	4				
		GPPS-C-121	अंतरराष्ट्रीय संगठन International Organization	4				
		GPPS-C-122	भारत में राज्य–राजनीति State Politics in India	4				
	अष्टम सेमेस्टर	**GPPS-C-123**	समकालीन राजनीतिक सिद्धांत Contemporary Political Theory	4				
		GPPS-C-124	प्रमुख देशों की विदेश नीति Foreign Policy of Major Countries	4				
		GPPS-C-125	समसामयिक अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दे Contemporary International Political Issues	4				
		GPPS-C-126	अंतर्राष्ट्रीय विधि International Law					
कुल क्रेडिट			**104 क्रेडिट**					

नोट :

1-ऐच्छिक पाठ्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय में संचालित पाठ्यक्रमों में से विद्यार्थी अपने इच्छानुसार पाठ्यचर्या का चयन कर सकेंगे।

2-विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से भी ऐच्छिक पाठ्यचर्या के चयन की सुविधा होगी।

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: राजनीति विज्ञान के सिद्धांत
(Name of the Course): Principles of Political Science

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-101
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- यह पाठ्यचर्या छात्रों को राजनीति विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन पद्धति को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि से समझने में मदद करेगा।
- विद्यार्थी 'राज्य' की उत्पत्ति एवं कार्य के विभिन्न सिद्धांतों, लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा तथा संप्रभुता, स्वतन्त्रता और समानता, अधिकार एवं कर्तव्य,न्याय,कानून एवं राज्य की अवधारणा के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1.विद्यार्थी राजनीति विज्ञान का अर्थ, परिभाषा, पद्धति व क्षेत्र के भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टि के बारे में जान सकेंगे।
2.विद्यार्थी राज्य का अर्थ, परिभाषा एवं तत्वों के बारे में जान सकेंगे तथा राज्य की उत्पत्ति के विभिन्न दृष्टिकोणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3.विद्यार्थी राज्य के कार्य के सिद्धांतों, लोक-कल्याणकारी राज्य की अवधारणा की व्याख्या कर सकेंगे।
4.विद्यार्थी संप्रभुता के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
5.विद्यार्थी अधिकार एवं कर्तव्य, स्वतन्त्रता तथा समानता, न्याय, कानून और राज्य की अवधारणा का विश्लेषण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.अर्थ , परिभाषा, प्रकृति एवं क्षेत्र (भारतीय एवं वैश्विकदृष्टि)	4	1	2	16	27
	2.राजनीति विज्ञान का नवीन दृष्टिकोण एवं अन्य सामाजिक विषयों से संबंध	3		2		
	3.राजनीति विज्ञान की अध्ययन पद्धतियां (भारतीय एवं वैश्विक दृष्टि)	4				
मॉड्यूल-2	1.राज्य का अर्थ,परिभाषा एवं राज्य के तत्व(भारतीय एवं वैश्विक दृष्टि)	4			15	25
	2.राष्ट्र एवं राष्ट्रवाद(भारतीय एवं वैश्विक दृष्टि)	4				
	3.राज्य की उत्पत्ति के सिद्धांत:दैवीय,शक्ति, सामाजिक समझौता एवं विकासवादी सिद्धांत(भारतीय एवं वैश्विक दृष्टि)	4	2	1		
मॉड्यूल-3	1.उदारवादी,मार्क्सवादी एवं भारतीय उपागम	3	2	1	15	25
	2.लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा:पूंजीवाद,समाजवादएवं योगक्षेम	3	1	1		
	3.संप्रभुता:एकलवादी एवं बहुलवादी अवधारणा, संप्रभुता का भारतीय परिप्रेक्ष्य	4				
मॉड्यूल-4	1.स्वतंत्रता और समानता	4			14	23
	2.अधिकार एवं कर्तव्य	4				
	3.न्याय	2				
	4.कानून और राज्य	4				
योग		47	07	06	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत केआधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/ प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार पाठ्य ग्रंथ**	1. अर्शीवादम, ए.डी.(2016).*राजनीतिक सिद्धांत*. एस.चन्द एण्ड कंपनी. 2. गावा,ओम प्रकाश. (2013).*राजनीतिक सिद्धांत की रूपरेखा*. मयूर पेपर बैक्स. 3. भार्गव, राजीव. &आचार्य, अशोक. (2018).*राजनीतिक सिद्धांत एक परिचय*. पीयर्सन. 4. जैन, पुखराज एवं बाजपेयी, अरुणोदय. (2022). *राजनीतिक सिद्धांत एवं अवधारणाएँ* . साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.
2.	**संदर्भ ग्रंथ**	1.वेपर, सी. एल.(2019). *राजदर्शन का स्वाध्यायन*. किताब महल पब्लिशर्स. 2: कुमार, संजीव. (2018). *राजनीतिक सिद्धांत की समझ*. ओरियंट ब्लैक स्वान. 3: कुमार, संजीव.(2021).राजनीतिक *सिद्धांत अवधारणाएँ और विमर्श*. सेज पब्लिकेशन. 4: पुरोहित, डॉ बी. आर. (2019). *राजनीतिशस्त्र के मूल सिद्धांत* राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 5 : संधु, ज्ञानसिंह. (2019). *राजनीतिक सिद्धांत*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 6; नरेश दाधीच,(2015). *समसामयिक राजनीतिक सिद्धांत*. रावत बुक्स पब्लिकेशन. 7: तायल, बी. बी. (2020). *राजनीतिक सिद्धांत*. सुल्तान चंद एंड संस प्रकाशन. 8: Singhal,Dr. S.C,(2020). *Political Theory*. Lakshmi Narayan Agarrwal. 9 :Ramaswamy, Sushila,(2014). *Political Theory Ideas and Concept* . PHI Lerning Pvt. Ltd. 10: द्विवेदी, डॉ. कपिलदेव. (2020). *वेदों में राजनीतिशास्त्र*. विश्व भारती अनुसंधान

		परिषद. 11: चतुर्वदी, डॉ.मधु मुंकुल.(2017). *राजनीतिक विज्ञान के मूल आधार*. राज पब्लिकेशन. 12: राय, गांधीजी . (2021). *राजनीतिक सिद्धांत.* लोक भारती प्रकाशन. शर्मा,डॉ.हरिश्चंद्र. (2010). *आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत.* डिस्कवरी प्रकाशन. **13:** अग्रवाल, डॉ.लोकेश.(2021). *राजनीतिक सिद्धांत.*डिस्कवरी प्रकाशन. 14: जैन डॉ पुखराज.(2022). *राजनीतिक सिद्धांत.* साहित्य भवन पब्लिकेशन.
3.	**ई-संसाधन**	**E-BOOK (PDF)** **https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-101.pdf** **Date–14/09/2022 ,** **https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-101.pdf** **Date – 14/09/2022 ,** **https://www.gdcbhojpur.com/assets/uploads/file-93.pdf** **Date – 14/09/2022 ,** **https://www.gdcbhojpur.com/assets/uploads/file-92.pdf** **Date – 14/09/2022 ,** **https://www.earlymoderntexts.com/assets/pdfs/rousseau1762.pdf**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: संविधान एवं सरकार का संगठन
(Name of the Course): Organization of Constitution and Government

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-102

(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- इस पाठ्यचर्याका उद्देश्य संविधान, सरकार इनके प्रकार एवं विविध रूप के बारे में अवगत कराना है।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र संसदात्मक, अध्यक्षात्मक, एकात्मक, संघात्मक शासन व्यवस्थाओं, राजनीतिक दलों के कार्यों एवं दबाव समूहों, जनमत/लोकमत,शक्ति,सत्ता,प्रभाव,नागरिकतातथादंड के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1.विद्यार्थी संविधान एवं सरकार तथा इनके प्रकार एवं विविध रूपों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
2.विद्यार्थी व्यवस्थापिका, कार्यपालिका तथा न्यायपालिका की कार्य प्रणाली को समझ सकेंगे।
3.विद्यार्थी संसदात्मक एवं अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था व एकात्मक एवं संघात्मक शासन व्यवस्था के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
4.विद्यार्थी राजनीतिक दलों एवं दबाव समूहों के बारे में अपनी समझविकसित कर सकेंगे।
5.विद्यार्थी जनमत/लोकमत के प्रभाव के साथ-साथ शक्ति,सत्ता,प्रभाव तथा नागरिकता एवं दंड की भूमिका का अध्ययन कर सकेंगे।

7.पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.संविधान की आवश्यकता, अर्थ, परिभाषा एवं प्रकार	4	1	1	16	27
	2.सरकार के अंग : व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका	4	1	1		
	3.शक्ति पृथक्करण का सिद्धांत	2	1	1		
मॉड्यूल-2	1.शासन के प्रकार: राजतन्त्र, अल्पतंत्र, लोकतंत्र, गणतंत्र एवं अधिनायकतंत्र	4	1	1	17	28
	2.एकात्मक और संघात्मक शासन व्यवस्था	4	1	1		
	3.संसदीय एवं अध्यक्षीय सरकार	4		1		
मॉड्यूल-3	1.निर्वाचन, मताधिकार एवं प्रतिनिधित्व का सिद्धांत	4	2	1	14	24
	2.राजनीतिक दल और दवाव समूह	4	1			
	3.जनमत / लोकमत	2				
मॉड्यूल-4	1.शक्ति	3	1		13	21
	2.सत्ता एवं प्रभाव	3	1			
	3.नागरिकता एवं दंड	4	1			
योग		42	11	7	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

3. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क.सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	**आधार पाठ्य ग्रंथ**	1. पुरोहित, बी.आर.(2018). *राजनीति विज्ञान के सिद्धांत.* राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. जैन, पुखराज.(2017). *तुलनात्मक शासन एवं राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 3. गाबा,ओम प्रकाश.(2019). *तुलनात्मक राजनीति रूपरेखा.* मयुर पेपर वैक्स. 4. गुप्ता,आशा.(2018). *तुलनात्मक शासन एवं राजनीति (समकालीन प्रवृत्तियाँ).* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 5. राय,गांधीजी.(2017). *तुलनात्मक शासन एवं राजनीति.*भारती भवन पब्लिशर्स. 6. त्यागी,ए.पी.एवं रस्तोगी,आर.के. (2020). *तुलनात्मक सरकारे.* संजीव प्रकाशन. 7. जौहरी,जे.सी. (2015). *तुलनात्मक राजनीति.* स्टर्लिंग प्रकाशन.
2.	**संदर्भ ग्रंथ**	**1**: तायल,बी.बी.(2017).*भारतीय शासन एवं राजनीति.*सुल्तान चंद एंड संस प्रकाशन. 2: पांडे,जयनरायण.(1905).*भारत का संविधान.* सेंट्रल लॉ प्रकाशन. 3:खोसला, माधव.(2018). *भारत का संविधान.* ओ. यू. पी. इंडिया. 4:Pylee,M.V.(2004).*Constitutional Government in India.* S. chand and Company. 6:Cothari,Rajani.(1970).*Cast in Indian Poltics.*Routiedge Publication. 7: यादव,डॉ.डी.एस. (2019). *तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक विश्लेषण.* रजत प्रकाशन.
3.	**ई-संसाधन**	**https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-102.pdf** **Date- 26-02-2023** **https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/B.A.-III%20Comparative%20Government%20&%20Politics.pdf** **Date- 26-02-2023**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं
(Name of the Course): Major Political Ideologies

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-103

(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी विश्व की प्रमुख विचारधाराएँ जैसे आदर्शवाद, यथार्थवाद, व्यक्तिवाद, उदारवाद, पूंजीवाद, समाजवाद, साम्यवाद, साम्राज्यवाद, एकात्ममानववाद, अराजकतावाद, सर्वाधिकारवाद, राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद, समुदायवाद, पर्यावरणवाद, नारीवाद आदि के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे
- विद्यार्थी विश्व की विभिन्न विचारधाराओं के उद्भव एवं विकासक्रम का विश्लेषण कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1.विद्यार्थी आदर्शवाद, यथार्थवाद, व्यक्तिवाद, पूंजीवाद, समाजवाद एवं साम्राज्यवाद के विषय में अवधारणात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
2.विद्यार्थी व्यक्तिवाद एवं अधिनायकवाद के बीच मूलभूत अंतरों के बारे में जान सकेंगे।
3.विद्यार्थी अराजकतावाद, सर्वाधिकारवाद, राष्ट्रवाद, अस्तित्ववाद एवं समुदायवाद की अवधारणा के बारे में जान सकेंगे।
4.विद्यार्थी उदारीकरण, पर्यावरणवाद एवं नारिवाद की अवधारणा का विश्लेषण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.आदर्शवाद	2		1	15	25
	2.यथार्थवाद	2		1		
	3.व्यक्तिवाद	2		1		
	4.उदारवाद	2		1		
	5.एकात्म मानववाद	2		1		
मॉड्यूल-2	1.पूँजीवाद	2		1	11	18
	2.समाजवाद:विकासवादी समाजवाद ,क्रान्तिकारी समाजवाद	2		1		
	3.साम्यवाद	1				
	4.साम्राज्यवाद/उपनिवेशवाद/नव-उपनिवेशवाद	2	1	1		
मॉड्यूल-3	1.अराजकतावाद	2	1		16	27
	2.सर्वाधिकारवाद	2	1			
	3.अधिनायकवाद/फांसीवाद	2	1			
	4.राष्ट्रवाद एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवाद	4	2	1		
मॉड्यूल-4	1.अस्तित्ववाद	2		1	18	30
	2.समुदायवाद	2		1		
	3.भूमंडलीकरण/ वैश्वीकरण एवं वसुधैव कुटुम्बकम् की अवधारणा	2	1	1		
	4.पर्यावरणवाद एवं संपोषणीय विकास	2	1	1		
	5.नारीवाद एवं उत्तर-नारीवाद	2	1	1		
योग		37	09	14		

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

5. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क.सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार पाठ्य ग्रंथ	1. दधीच,नरेश. (2017). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*. रावत पब्लिकेशन्स. 2. सिंहल,एस.सी.(2020). *आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 3. सिबली,एम.के.बी.(2015). *राजनीतिक विचार एवं विचारधाराएँ*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 4. किमिल्का,विल. (2008). *समकालीन राजनीतिक दर्शन*. पीयरसन. 5. यादव,डी.एस. (2017). *राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराए*. डिस्कवरी पब्लिकेशन.
2.	संदर्भ ग्रंथ	1: तिवारी, श्री शिव शंभु .(2016). *राजनीतिक विचारधारा*. बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 2: सिंघल, डॉ.एस.सी.(2020). *राजनीतिक विचारधाराएँ*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल 3: चड्ढा, पी. के.(1972). *राजनीतिक विचारधाराएँ*.अशोक बुक डिपो. 4: शर्मा, रश्मि.(2020). *राजनीतिक विचारधारा*. एस. बी. पी. डी. पब्लिकेशन. 5: सिबली,मलफर्डक्यू.(2009). *राजनीतिक विचारक एवं विचारधारायें*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 6: कुमार,डॉ. सुधीर. (2020). *राजनीतिक सिद्धांत*. राजपाल पब्लिकेशन. 7: वर्मा,विश्वनाथ प्रसाद.(2021). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारधारा*. कॉलेज बुक डिपो. 8: जौहरी, जे. सी. (2020). *राजनीतिक विचारधाराएँ*. एस. बी. पी. डी.पब्लिकेशन.
3.	ई-संसाधन	**E-BOOK (PDF)** **http://ir.unishivaji.ac.in:8080/jspui/bitstream/123456789/2423/4/04_Chapter%201.pdf** **DATE 13/09/2022,** **http://mdudde.net/books/MA/MA%20pol%20science%20-**

		%20done/M.A.%20(F)%20-%20Pol%20Sci/ma-ps11-2nd-Contemporary%20Political%20Thought%20&%20Theory.pdf **DATE 13/09/2022,** http://ignca.gov.in/Asi_data/68135.pdf **DATE 13/09/2022,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास
(Name of the Course): Freedom Struggle and Constitutional Development in India

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-104
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के समय की परिस्थितियों एवं कारणों से अवगत कराना है।
- छात्रों को उपनिवेशवाद की समस्याओं, भारत में राष्ट्रवाद का उदय तथा प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानने व समझने में मदद मिलेगी।
- इस पाठ्यक्रम से छात्र स्वतंत्रता आंदोलन के समय भारत की विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं, राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठनों से अवगत हो पाएंगे।
- विद्यार्थी भारत विभाजन की वैचारिकी और परिस्थितियों से अवगत हो सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1.विद्यार्थी भारत में यूरोपीय कंपनियों के आगमन तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन व्यवस्था के रूप रेखा को समझ सकेंगे।

1. भारत में प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम 1857 की क्रांति व भारत में ब्रिटिश राज्य व्यवस्था की पृष्ठभूमि का अवलोकन कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी ब्रिटिश राज्य में 1858 से 1935 के भारत शासन अधिनियम के संवैधानिक विकास के चरणों को जन सकेंगे तथा
3. भारत के क्रिप्समिशन,वेवेल योजना, माउण्टबेटन योजना, भारत विभाजन तथा भारतीय स्वतन्त्रता अधिनियम-1947 के चरणबद्ध प्रक्रियाओं को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारत में राष्ट्रीय आंदोलन, भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की स्थापना एवं स्वतन्त्रता संघर्ष में महात्मा गांधी की भूमिका एवं उनके द्वारा चलाये गए आंदोलन के बारे में जान सकेंगे।
5. विद्यार्थी भारत छोड़ो आंदोलन तथा अन्य क्रांतिकारी आंदोलन के साथ साथ द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त एवं भारत विभाजन के बारे में अपनी समझ विकसित करेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.भारत में यूरोपीय कंपनियों का आगमन	2	**1**	1	**15**	**25**
	2.कम्पनी शासन का सुदृढ़ीकरण (द्वैधशासन, रेगुलेटिंगएक्ट, पिट्स इण्डिया एक्ट, चार्टर एक्ट) एवं भारतीय सामाजिक जीवन, शिक्षा, संस्कृति और अर्थव्यवस्था पर प्रभाव	4	1	1		
	3.भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम (क)1757से 1856 (ख)1857 से 1947	3	1	1		
मॉड्यूल-2	1.सन् 1858 से 1909 तक संवैधानिक विकास	**2**			**15**	**25**
	2.मार्ले-मिन्टो सुधार और भारतीय परिषद अधिनियम-1909	**2**				
	3.मोंटेग्यू –चेम्सफोर्ड सुधार और भारतीय शासन अधिनियम-1919	**2**				
	4.भारतीय शासन अधिनियम-1935	**2**		**1**		
	5.द्वितीय विश्वयुद्ध और भारतीय प्रतिरोध(क्रिप्स मिशन और बेवल योजना)	**2**		**1**		
	6.माउन्टबेटन योजना औरभारत का विभाजन,	1		**1**		
	7.भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम 1947	1				
मॉड्यूल-3	1.भारत में राष्ट्रीय आंदोलन का उदय	**2**		**1**	**14**	**23**
	2.भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना (1885)	**2**		**1**		
	3.भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन :	**2**		**1**		

	उदारवादी :1885-1905					
	4.स्वतंत्रता आग्रही: 1906-1918 (स्वदेशी आंदोलन और आर्थिक स्वाधीनता)	2				
	5.प्रथम विश्वयुद्ध एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन	**2**		**1**		**27**
मॉड्यूल-4	1.भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में महात्मा गांधी का प्रवेश, असहयोग आन्दोलन एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन,भारत-छोड़ो आन्दोलन	4		**1**	**16**	
	2.आजाद हिंद फौज एवं अन्य सशस्त्र आन्दोलन और प्रतिरोध	**4**	**1**			
	3.खिलाफत आंदोलन,मुस्लिम अलगाववाद,द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त और भारत का विभाजन	3				
	4. देसी रियासतों का एकीकरण और सरदार पटेल की भूमिका	3				
योग		45	**04**	**11**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

7. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क.सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य सामग्री**	**विवरण** (APA प्रारूप में)
1.	**आधार पाठ्य ग्रंथ**	1. जैन, डॉ. पुखराज. (2022). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 2. ग्रोवर, वी.एल.(2021). *भारत में स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक विकास* एस.चंद कंपनी. 3. चंद्रा,वि.(2017). *भारत का स्वाधीनता संघर्ष.* ओरियंट ब्लैक स्वान. 4. महाजन, वी.डी.(2013). *भारत का स्वाधीनता संघर्ष.* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 5. यशपाल,एवं ग्रोवर.(2007). *आधुनिक भारत.* एस.चंद कंपनी. 6. सरकार,सु.(2017). *आधुनिक भारत का इतिहास.* राजकमल प्रकाशन.
2.	**संदर्भ ग्रंथ**	1: चन्द्र विपन,(2009). *भारत का राष्ट्रीय आंदोलन.* अनामिका प्रकाशक. 2: ग्रोवर, बी. एल .मेहता, अल्का एवं यसपाल, (2018). *आधुनिक भारत का इतिहास एक नवीन मूल्यांकन.* एस. चंद पब्लिशिंग. 3:दास, लाल. भैरव. (2020). *गदर आंदोलन का एतिहास.* प्रभात प्रकाशन.

		4: मित्तल,डॉ.ए.के.(2019). *भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास*. साहित्य भवन. 5: विद्याकेतु,सत्यलंकर.(2014). *भारत के राष्ट्रीय आंदोलन का इतिहास*. श्री सरस्वती पब्लिकेशन . 6: प्रशाद,चंद्रदेव.(2016). *भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन*. अटलांटिक पब्लिशर्स. 7: शर्मा,श्रीराम.(2012). *स्वतन्त्रता आंदोलन 1857_1947*. नमन प्रकाशन. 8: तारचंद,(2017). *भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन का इतिहास खंड 1 " 2 '3*. प्रकाशन विभाग भारत सरकार. 9: गिल,सिंह.त्रिलोचन.(2018). *भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन*. गणपति प्रकाशन . 10; जैन, डॉ. पुखराज(2022). प्रमुख *राज व्यवस्थाएँ*. साहित्य भवन पब्लिकेशन . 11: जैन,के.सी.(2009). *भारत का राष्ट्रीय आंदोलन* यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 12: सिंह, अयोध्या.(2012). *भारत का मुक्ति संग्राम*. शुभा प्रकाशन. 13: सिंह,एस.(2018). *भारत की आजादी में क्रांतिकारियों का योगदान*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन.
3.	**ई-संसाधन**	**https://www.drishtiias.com/hindi/images/dlp-demo/upsc/gs-pack-4/Modern-India-Part-I.pdf** **DATE 13/09/2022 ,** **https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-202.pdf** **DATE 13/09/2022 ,** **https://www.drishtiias.com/hindi/paper1/the-company-rule-in-india-1773-1858 DATE 13/09/2022** https://www.google.co.in/books/edition/BHARTIYA_SAMVIDHAN_EVAM_RAJVYAVSTHA/gyi4DwAAQBAJ?hl=en&gbpv=1&dq=%E0%A4%AD%E0%A4%BE%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%AF+%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%A4%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BE+%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE+%E0%A4%8F%E0%A4%B5%E0%A4%82+%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B5%E0%A5%88%E0%A4%A7%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%95+%E0%A4%A6%E0%A5%83%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%BF+%E0%A4%95%E0%A4%BE+%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B8&pg=PA7&printsec=frontcover **DATE -13/09/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारत का संविधान
(Name of the Course): **Constitution of India**

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-105
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को भारतीय संविधान से अवगत कराना है।
- इसके माध्यम से वे भारतीय संविधान कीप्रमुख विशेषताएँ, उसकी दार्शनिक पृष्ठभूमि, प्रदत्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य व नीति निर्देशक तत्वोंकाअध्ययन कर सकेंगे।
- संघीय एवं राज्य व्यवस्थापिका तथा कार्यपालिका की कार्य प्रणाली, एवं भारतीय न्यायिक व्यवस्था के बारे में अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1. विद्यार्थी भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं एवं संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य व नीति निर्देशक तत्वों की अवधारणात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारतीय संघीय व्यवस्थापिका तथा राज्य विधानमण्डल की कार्य प्रणाली की विधाओं को जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारतीय संविधान में संघ एवं राज्य की कार्यपालिका तथा सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं संवैधानिक दृष्टिका विकास	2	1		09	15
	2.भारतीय संविधान की दार्शनिक पृष्ठभूमि	2	1			
	3.भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताएँ	2	1			
मॉड्यूल-2	1. नागरिकता	3			15	25
	2.मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य	4	2	1		
	3.राज्य के नीति-निदेशक सिद्धान्त	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.संघीय व्यवस्थापिका– संसद (लोक सभा एवं राज्य सभा)	3	1	1	15	25
	2.राज्य व्यवस्थापिका - विधानमण्डल (विधान सभा एवं विधान परिषद)	3	1	1		
	3.संविधान संशोधन के प्रावधान एवं संविधान की आधारभूत संरचना	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.संघीय कार्यपालिका: राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति, प्रधानमन्त्री एवं संघीय मंत्रिपरिषद	4	1		21	35
	2.राज्य कार्यपालिका : राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं राज्य मन्त्रिपरिषद	3	1			
	3.उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय	2	1			
	4.भारत के महान्यायवादी एवं राज्य का महाधिवक्ता	2	1			
	5.केन्द्र-राज्य संबंध,निर्वाचन	2	1	1		

	आयोगएवंनीतिआयोग					
	6.संविधान समीक्षा आयोग	**2**				
योग		40	**14**	**06**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

9. **X**-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क.सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार पाठ्य ग्रंथ	1. सिंह,महेन्द्र प्रसाद. (2010). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 2. सिंह,महेन्द्र.प्रसाद.एवं राय,हिमांशु.(2007). *भारतीय राजनीति प्रणाली संरचना नीति और विकास.* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 3. चौधरी,बी.एन.एवं कुमार,युवराज.(2013). *भारत राजनीतिक प्रक्रिया*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 4. सईद,एस.एम.(2019). *भारतीय राजनीतिक व्यवस्था*. सुलभ प्रकाशन. 5. बसु, दुर्गादास. (2008).*भारत का संविधान परिचय.* लेक्सिस वटरवर्थस. 7. शर्मा,ब्रजकिशोर. (2013). *भारत का संविधान.*पी.एच.आई.लर्निंग प्रा.लि. 9. जोशी,आर.पी.(सम्पादक).(2015). *भारतीय सरकार एवं राजनीति.* राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 10. कश्यप,सुभाष.(2020). *भारतीय संसदीय प्रक्रिया* .राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 11. जैन, डॉ. पुखराज.(2022). *भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन एवं भारत का संविधान* साहित्य भवन.
2.	संदर्भ ग्रंथ	1: आस्टिन, ग्रानमिल (2017). *भारत का संविधान.* केंद्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर. 2: रॉय, राम बहादुर.(2022). *भारतीय संविधान एक अनकही कहानी.* प्रभात पेपर बैक्स. 3: Roy, Himanshu. (2018). *Indian Political System.* Pearson Education. 4: सलिल,कुमार अनिल.(2016). *भारत का संविधान* प्रभात प्रकाशन. 5:शर्मा,डॉ.योगेशचन्द्र.(2020). *भारतीय संविधान सभा(दृष्टिकोण वैचारिकी एवं बहस).* राजस्थान ग्रंथ अकादमी. 6: अग्रवाल डॉ प्रमोद कुमार.(2020). *भारत का संविधान.* प्रभात प्रकाशन. 7: राय, राम बहादुर एवं शर्मा डॉ महेश चंद्र.(2019). *हमारा संविधान एक पुनरावलोकन.* प्रभात प्रकाशन. 8: कश्यप,सुभाष.(2017). *भारतीय संविधान और आम आदमी.* पब्लिकेशन डिवीजन गवर्नमेंट ऑफ इंडिया. 9: पाण्डेय,जयनारायण.(2017). *भारत का संविधान.* सेंट्रल एजेन्सी. 10: मंगलानी,रूपा.(2020). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.
3.	ई-संसाधन	https://www.google.co.in/books/edition/BHARTIYA_SAMVIDHAN_EVAM_RAJVYAVSTHA/gyi4DwAAQBAJ?hl=en&gbpv=1&dq=%E0%A4%AD%E0%A4%BE%

		E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A5%80%E0%A4%AF+%E0%A4%B8%E0%A5%8D%E0%A4%B5%E0%A4%A4%E0%A4%82%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%A4%E0%A4%BE+%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%97%E0%A5%8D%E0%A4%B0%E0%A4%BE%E0%A4%AE+%E0%A4%8F%E0%A4%B5%E0%A4%82+%E0%A4%B8%E0%A4%82%E0%A4%B5%E0%A5%88%E0%A4%A7%E0%A4%BE%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%95+%E0%A4%A6%E0%A5%83%E0%A4%B7%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%BF+%E0%A4%95%E0%A4%BE+%E0%A4%B5%E0%A4%BF%E0%A4%95%E0%A4%BE%E0%A4%B8&pg=PA7&printsec=frontcover **DATE -13/09/2022 ,** **https://www.drishtiias.com/hindi/images/dlp-demo/upsc/gs-pack-5/Polity-Part-1.pdf** **DATE -13/09/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: विश्व के प्रमुख संविधान
(Name of the Course): **Major Constitutions of the World**

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-106
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) :

- यह पाठ्यचर्याछात्रों को विश्व के चार प्रमुख देशों -ब्रिटेन, अमेरिका, स्विट्ज़रलैंड और फ्रांस के संविधान तथा वहाँ की सरकार एवं संवैधानिक व्यवस्था से अवगत कराएगा।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र इन देशों के संविधान की प्रमुख विशेषताओं,संसद, प्रधानमंत्री तथा राष्ट्रपति, इत्यादि के संदर्भ में जान सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम (CLOs) :

1. विद्यार्थी ब्रिटिश संविधान की प्रमुख विशेषताओं,संसद, राजतंत्र तथा प्रधानमंत्री की कार्य पद्धति को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी अमेरिका के संवैधानिक विकास, संघीय व्यवस्था, काँग्रेस तथा राष्ट्रपति के कार्यों से अवगत हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी स्विट्जरलैण्ड के शासन व्यवस्था एवं राजनीतिक दलों का अध्ययन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी फ्रांस के संविधान के प्रमुख विशेषताएँ और वहाँ के राजनीतिक दल के साथ कार्यपालिका, व्यवस्थापिका एवं न्यायिक व्यवस्था का अध्ययन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Course Contents) :

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.ब्रिटिश संविधान :विकास,महत्त्व एवं विशेषताएँ	2		1	17	28
	2.संविधान के अभिसमय/वैधानिक परम्पराएँ	1		1		
	3.सम्राट/राजमुकुट	1				
	4.संसद	2		1		
	5.मंत्रीमंडल	1		1		
	6.विधि का शासन एवं सर्वोच्च न्यायालय	2		1		
	7.दलीय व्यवस्था	1				
	8.नौकरशाही/लोक सेवाएँ	1		1		
मॉड्यूल-2	1.अमरीकी संविधान:पृष्ठभूमि,महत्त्व एवं विशेषताएँ	2		1	17	28
	2.शक्तियों का पृथक्करण एवं नियंत्रण तथा संतुलन	1		1		
	3.संघीय व्यवस्था	1		1		
	4.संघीय कार्यपालिका:राष्ट्रपति एवं कैबिनेट	2	1	1		
	5.काँग्रेस:संगठन और कार्य	1		1		
	6.संघीय न्यायपालिका एवं न्यायिक पुनरवलोकन	1		1		
	7.दलीय व्यवस्था	1		1		
मॉड्यूल-3	1.स्विट्जरलैण्ड का संविधान :विकास और विशेषताएँ	2			14	24
	2.मौलिक अधिकार	1		1		
	3.संघीयसभा	1		1		
	4.संघीयपरिसद	3		1		
	5.स्विस न्यायपालिका:संघीय सर्वोच्च न्यायालय और अन्य न्यायिक सत्ताएं	1		1		
	6.प्रत्यक्ष लोकतंत्र	1				
	7.राजनीतिक दल	1				
मॉड्यूल-	1.फ्रांस कासंविधान:विकास	2			12	20

4	एवं पंचम गणतंत्र के संविधान की प्रमुख विशेषताएँ					
	2.मौलिक अधिकार	**1**		**1**		
	3.कार्यपालिका:राष्ट्रपति तथा मंत्रिपरिषद	**2**				
	4.विधायिका:संसद	**1**		**1**		
	5.न्यायपालिका	**1**				
	6.नौकरशाही और प्रशासनिक कानून	**1**		**1**		
	7.राजनीतिक दल	**1**				
योग		39	**1**	**20**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1.**X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

2.एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/ Examination Planning) :

क.सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकनकिया जाएगा।

ख.परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	बाह्य विशेषज्ञों के द्वारा
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/ संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/References/Resources) :

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1.	**आधार पाठ्य ग्रंथ**	1. अनुपचन्द, एवं मिश्रा,के.के. (2012). *प्रमुख देशों के संविधान.(ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, स्वीटजरलैंड)*. एस.चंद. 2. नारायण,प्रो.इकबाल. (2020). *प्रमुख देशों के संविधान, (ब्रिटेन, अमेरिका, फ्रांस, कनाडा, स्वीटजरलैंड)*. शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी. 3. जैन,पुखराज.(2021). *विश्व के प्रमुख संविधान.* साहित्यभवन. 4. सिंह,वीरकेश्वर.प्रसाद.(2017). *विश्व के प्रमुख संविधान.* ज्ञानदा प्रकाशन. 5. उप्रेती,नंदिनी.(2011). *विश्व के प्रमुख संविधान.* प्वाइंटर पब्लिशर्स. 6. चढ्ढा,पी.के.(2015). *विश्व के प्रमुख संविधान.* आदर्श पब्लिकेशन. 7. सौगानी, एम.सी.(2010).*विश्व के प्रमुख संविधान.* विद्या पब्लिकेशन. 8. जौहरी,जे.सी.(2017). *विश्व के प्रमुख संविधान.* शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी.
2.	**संदर्भ ग्रंथ**	1: सिंघल,डॉ.एस. सी. (2020) *विश्व के प्रमुख्य संविधान लक्ष्मी* नारायण अग्रवाल. 2: सिंह , प्रो. तरकेश्वर प्रसाद.(2013).*विश्व के प्रमुख संविधान*(एक तुलनात्मक अध्ययन). हिन्दी बुक सेंटर .
3.	**ई-संसाधन**	https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/BA-II-Pol-II.pdf DATE -13/09/2022 , http://www.nou.ac.in/econtent/MA%20Pol%20Sc%20Paper%20V/MA%20Political%20Science%20Paper-V%20Unit-4.pdf DATE -13/09/2022 ,

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन

(Name of the Course): Ancient and Medieval Indian Political Thought

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-107
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय
(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- यह पाठ्यक्रम छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन राजनीतिक चिंतन के विभिन्न विचारों और भारतीय चिंतन परंपरा से अवगत कराएगा।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों को राजनीति और राज्य के प्रबंधन पर प्राचीन भारतीय मनीषियों एवं दर्शनिकों द्वारा निर्मित विचारों से अवगत कराएगा।
- यह पाठ्यक्रमविद्यार्थियों को रामायण, महाभारत, और पुराण जैसे प्रमुख ग्रन्थों एवं धर्मशास्त्र और अर्थशास्त्र संबंधी विचारों को जानने, समझने व सीखने की दृष्टि प्रदान करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय महाकाव्य, धर्मशास्त्र व अर्थशास्त्र के विषयवस्तु एवं राजनीतिक विचारों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी वेदों, उत्तर वैदिक कालीन ग्रंथ एवं महाकाव्यों (रामायण व महाभारत) में राजा, राजतंत्र, गणतन्त्र व प्रशासनिक नीतियों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी प्राचीन भारतीय विचारकों मनु, कौटिल्य, शुक्र, कामंदक के राजनीति विचारों को समझ सकेंगे।

4. विद्यार्थी जैन एवं बौद्ध धर्म/ साहित्य के राजनीतिक दर्शन की समझ विकसित कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी मध्यकालीन भारतीय चिंतकों अगानासुत्त, बरनी व कबीर के राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			घंटे का कुल	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत एवं विशेषताएँ	**3**	1	1	15	25
	2.वैदिक युग: राजनीतिक परंपरा का विकास	**3**	**1**	1		
	3.मनुस्मृति में राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल-2	1.रामायण(वाल्मीकि) में राजनीति विचार	**3**	**1**	1	15	25
	2.महाभारत (शान्तिपर्व) में राजनीतिक विचार	**3**	**1**	1		
	3.कौटिल्य (अर्थशास्त्र) के राजनीतिक विचार	**3**	1	1		
मॉड्यूल-3	1.शुक्र (नीतिसार) में राजनीतिक विचार	**2**	**1**	1	15	25
	2.कामन्दक(नीतिसार) में राजनीतिक विचार	**2**	**1**	-		
	3.जैनधर्म/साहित्यमें राजनीतिक विचार	**2**	**1**	1		
	4.बौद्ध धर्म/साहित्यमें राजनीतिक विचार	2	**1**	1		
मॉड्यूल-4	1.तुलसी दास के राजनीतिक विचार	3	1	1	15	25
	2.जियाउद्दीन बरनी के राजनीतिक विचार	3	1	1		
	3.कबीर का समन्वयवादी विचार	3	1	1		
योग		**35**	**13**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन के स्रोत एवं विशेषताएँपाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

- **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. सिंघल,एस.सी. (2020). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 2. परमात्माशरण, (2012). *प्राचीन भारतीय राजनीतिक विचार एवं संस्थाएँ*. मीनाक्षी प्रकाशन. 3. प्रसाद,ओ. (2021). *कौटिल्य का अर्थशास्त्र*. राजकमल प्रकाशन. 6. अल्टेतकर,ए.एस. (2016). *प्राचीन भारत में राज्य एवं सरकार*. मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स. 7. गुप्ता,एस. (2012). *भारतीय दर्शन का इतिहास*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. कमल,के.एल. (2016). *प्राचीन भारतीय चिंतन*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 9. त्यागी,रुचि. (2020). *प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन. हिन्दी* माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 10. शर्मा,सं. (2015). *मध्यकालीन भारतीय राजनीतिक चिंतन*. रावत प्रकाशन, 11. अग्रवाल,डॉ. (2009). *प्राचीन भारत का राजनीतिक इतिहास*. मध्य प्रदेश हिंदी ग्रंथ अकादमी. 12. चतुर्वेदी, डॉ. म. (2021). *प्रमुख भारतीय राजनीतिक विचारक*. कॉलेज बुक हाउस.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. त्रिपाठी, प्रो. प्रकाशमणी. पांडे, डॉ. रजनीकान्त.एवं त्रिपाठी, डॉ. सत्यप्रकाशमणी.(2017). *प्राचीन राजनीतिक चिंतन का इतिहास*. राज प्रकाशन. 2. कृष्णकुमार.(2010). *प्राचीन भारत की राजनीतिक एवं प्रशासनिक संस्थाए*. श्री सरस्वती सदन. 3. विद्यालंकर, सत्यकेतु.(2018). *प्राचीन भारत की शासन पद्धति.और राजशास्त्र*. श्री सरस्वती सदन. . 4. मिश्र, प्रो. विमल किशोर.(2017). *प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास*.बिहार हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 5. पांडे ,प्रो राजबली एवं उपाध्याय प्रो विभा.(2022). *प्राचीन भारत मे जनतंत्र*. साहित्य मण्डल जयपुर.

3	ई-संसाधन	**E –BOOK (PDF)** **https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-201.pdf** **DATE-13/09/2022,** **http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/MAPS-02%20280%20Hindi.pdf** **DATE-13/09/2022,** **https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/BA-II-Pol-I.pdf** **DATE-13/09/2022,** **https://dde-ac.in/Books/MH409.pdf** **DATE-13/09/2022,** **https://dde-ac.in/Books/MH409.pdf** **DATE-13/09/2022,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design) :

1. पाठ्यचर्या का नाम: पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

(Name of the Course): Western Political Thought

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-108

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4

(Credit)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. सेमेस्टर: तृतीय

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को पाश्चात्य राजनीतिक विचारकों एवं उनके राजनीतिक विचारों से परिचित कराना है, जिन्होने राजनीति विज्ञान के विचारों और अवधारणाओं को स्वरूप प्रदान किया।
- 'राज्य' का विकास कैसे हुआ ? यह प्रश्न सभी सभ्यताओं के लिए महत्वपूर्ण रहा है, सभी के जवाब एक जैसे नहीं रहें हैं, सबके विचारों में भिन्नता रही है। पाश्चात्य राजनीतिक विचार की यह कड़ी सोफिस्टों एवं सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तु से होते हुए रूसो जैसे सामाजिक समझौतावादी विचारक के साथ समाप्त होती है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी पाश्चात्य राजनीतिक चिंतकों, सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू के राजनीतिक विचारो से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी मध्यकालीन पाश्चात्य विचारकों, टॉमस एक्वीनास को जानेंगे तथा परिषदीय आंदोलन व चर्च-राज्य संबंध को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी पुनर्जागरण, धर्म सुधार के साथ साथ मैकियावेली व जीन बोदा के राजनीतिक विचारो को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी हाॅब्स, लॉक, रूसो के सामाजिक समझौते सिद्धान्त तथा राजनीतिक विचारों को जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.राजनीतिक चिंतन की यूनानी दृष्टि :सामान्य एवं सैद्धांतिक संकल्पनाएँ	2			15	25
	2.सोफिस्ट एवं सुकरात के राजनीतिक विचार	2		-		
	3.प्लेटो के राजनीतिक विचार	4	1	1		
	4.अरस्तू के राजनीतिक विचार	3	1	1		
मॉड्यूल-2	1.मध्ययुगीन राजनीतिक चिंतन का परिचय एवं विशेषताएं	2	1	1	15	25
	2.टामस एक्वीनास के राजनीतिक विचार	2	1	1		
	3.मार्सिलियो के राजनीतिक विचार	2	1			
	4.परिषदीयआन्दोलन	2	1	1		
मॉड्यूल-3	1.पुनर्जागरण एवं धर्म सुधार आन्दोलन	3	1	1	15	25
	2.मैकियावेली के राजनीतिक विचार	3	1	1		
	3.जीन बोदां के राजनीतिक विचार	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.टामस हॉब्स के राजनीतिक विचार	3	1	1	15	25
	2.जॉन लॉक के राजनीतिक विचार	3	1	1		
	3.जीन जैक्स रूसो के राजनीतिक विचार	3	1	1		
योग		37	12	11	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया

	जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. झा,ब्र. कि.(2007). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक, Vol-I, II*. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा, ओम.प्रकाश.(2010). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल, प्रो. के.एल.(2017). *प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 4. शर्मा,प्र. (2021). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*. कालेज बुक डिपो. 5. वेपर,सी.एल. (2012). *राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय*. किताब महल. 6. नखाडे,ना. एवं नखाडे,अ. (2019). प्रमुख राजनीतिक विचारक. किताब महल 7. गाबा,ओम. प्रकाश.(2010). *राजनीतिक विचारक विश्वकोश*. मयुर पेपर बैक्स. 8. मुखर्जी,सु. (2019). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 9. पुरोहित,वी.आर.(2020). *राजनीतिक चिंतन का विकास*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 10. वार्कर,सर अ. (2010). *यूनानी राजनीति सिद्धांत*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 11. सिवली,म. क्यू. (2009). *राजनीतिक विचार और विचारधाराएँ*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 12.फोस्टर,एम.बी.(2015). *राजनीतिक चिंतक के आचार्य*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 13 जैन,डॉ. पुखराज.(2020). पाश्चात्य प्रतिनिधि राजनीतिक विचारक साहित्य भवन पब्लिककेशन.
2	संदर्भ ग्रंथ	1: फड़िया,डॉ.बी.एल.(2022). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*. साहित्य भवन पब्लिकेशन. 2:जैन,डॉ.पुखराज एवं फड़िया डॉ. बी. एल. (2018). *राजनीतिक विचार(पाश्चात्य एवं भारतीय)* साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3: सिंघल,डॉ.एस.सी.(2020). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल प्रकाशन. 4 ; धवन, एम.एल.(2016). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. अर्जुन पब्लिशिंग हाउस. 5: पृथ्वी, आर. के. (2018). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक और आधुनिक विचारधाराएँ*. अर्जुन पब्लिसिंग हाउस. 7: शर्मा, उर्मिला एवं शर्मा एस. के.(2001). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन खंड (1)प्लेटो से बर्क तक*. अटलांटिक पब्लिशर्स
3	ई-संसाधन	**https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-103.pdf** **DATE 13/09/2022**

		https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Mar/4_03-24-2021_15-21-45_Western%20Political%20Thought%20-1(20POL21C1).pdf **DATE 13/09/2022**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: लोक प्रशासन के सिद्धान्त
(Name of the Course): Theory of Public Administration

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-109
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: तृतीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या में लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति, अध्ययन क्षेत्र, विकास एवं प्रमुख सिंद्धातों को सम्मिलित किया गया है।
- इस पाठ्चर्या का उद्देश्य लोकप्रशासन की प्रकृति को स्पष्ट करना है।
- राजनीति विज्ञान में लोकप्रशासन के महत्व पर प्रकाश डालना है।
- इसके अध्ययन से विद्यार्थी लोक प्रशासन के कार्यविधि को समझ सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी लोक प्रशासन के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के विभिन्न दृष्टिकोणों के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी लोक प्रशासन, निजी प्रशासन, विकास प्रशासन एवं नवीन लोक प्रशासन के विभिन्न दृष्टिकोणों की समझ विकसित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी लोक प्रशासन के विभिन्न सिद्धांतों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी लोक प्रशासन में संचार व्यवस्था, संगठन प्रबंधन, सार्वजनिक नियमों तथा उद्देश्य आधारित प्रबंधनों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी लोक प्रशासन के अंतर्गत कार्मिक प्रशासन, नौकरशाही एवं वित्तीय प्रशासन के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.लोक प्रशासन:-अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र,प्रकृति एवं महत्व	**2**			**12**	20
	2.एक अनुशासन के रुप मे लोक प्रशासन का विकास	2				
	3.लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन	**2**				
	4.नवीन लोक प्रशासन :मुद्दे एवं प्रवृत्तियाँ	**2**		1		
	5.विकास प्रशासन, उदारीकरण का लोक प्रशासन पर प्रभाव	**2**		1		
मॉड्यूल-2	1.लोक प्रशासन के सिद्धांत,परम्परावादी(शास्त्रीय) सिद्धांत	**2**		1	**18**	25
	2.नौकरशाही सिद्धांत	2				
	3.संगठन में संघर्ष प्रबंधन	2				
	4.मानव सम्बन्ध सिद्धान्त	2		1		
	5.वैज्ञानिक प्रबन्ध सिद्धांत(टेलर)	**2**				
	6.व्यवहारवादी सिद्धांत	**2**				
	7.व्यवस्था सिद्धांत	2				
	8.निर्णय-निर्माणसिद्धांत	2				
मॉड्यूल-3	1.पदसोपान,आदेश की एकता, समन्वय एवं संचार	**4**		1	15	25
	2.सूत्र और स्टाफ, नेतृत्व एवं नियन्त्रण का क्षेत्र, अभिप्रेरणा का सिद्धांत	**4**		1		
	3.औपचारिक एवं	**2**		1		

	अनौपचारिक संगठन					
	4. सार्वजनिक निगम और परिषद	**2**				
मॉड्यूल-4-	1.कार्मिक प्रशासन :भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, अनुशासन, मनोबल, नियोक्ता-कर्मचारी सम्बन्ध	**4**		1	**15**	25
	2.नौकरशाही :सिद्धांत, प्रकार एवं भूमिका (वेबर मॉडल)	**4**		1		
	3.वित्तीय प्रशासन :बजट, लेखांकन एवं लेखा परीक्षा, ओम्बुड्समैन	**4**		1		
योग		**50**	**02**	**08**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	1. शर्मा, एम.पी.(2019). *लोक प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार*.किताब महल. 2. सचदेवा,प्र. एवं सिंह,हो. (2019). *लोक प्रशासन के सिद्धांत एवं व्यवहार*. पीयर्सन. 3. फाडिया एवं फाडिया. (2015). *लोक प्रशासन*. साहित्य भवन. 4. जैन, पु. (2010). *लोक प्रशासन के सिद्धांत*. साहित्य भवन. 5. भाम्बरी,सी. पी.(2015). *लोक प्रशासन*. साहित्य भवन. 6. लक्ष्मीकान्त,एम.(2020). *लोक प्रशासन*. टी. एम. एच. 7. अवस्थी एवं माहेश्वरी,(2020). *लोक प्रशासन*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. मीणा, डॉ. राजेंद्र. प्रसाद.(2012). *लोक प्रशसन के तत्व*. राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 2. बसु ,डॉ. रूमकी.(2012). *लोक प्रशासन संकल्पनाएँ एवं सिद्धान्त*. जवाहर बुक सेंटर. 3. सिन्हा,मनोज.(2010). *प्रशासन एवं लोकनीति*. ओरिएंट ब्लैक स्वान. 4. सिंह, होसियर एवं सचदेवा.प्रदीप.(2011). *लोक प्रशासन सिद्धान्त एवं व्यवहार*. पीयर्सन.

		5. मेहता, प्रो.एस.सी.(2007). *भारतीय प्रशासन*. राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 6. समोता, डॉ. के.सी.(2021) .*लोक प्रशसन एक परिचय*. नोसन प्रेस. 7. माहेश्वरी, मुकेश.(2015). *लोक प्रशासन*. लेक्सिस नेक्सिस.
3	ई-संसाधन	**http://mdudde.net/pdf/study_material_DDE/ma/ma_politicalscience/ma-ps04-1st-Public%20Administration.pdf** **DATE 13/09/2022 ,** **https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Jun/4_06-11-2021_16-47-15_M.A.%20Public%20Administrative%20Theory_I_Sem1.pdf** **DATE 13/09/2022 ,** **https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Aug/4_08-05-2021_16-21-11_ELEMENTS%20OF%20PUBLIC%20ADMINISTRATION-I(BM-1005-I).pdf** **DATE 13/09/2022 ,** **https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Aug/4_08-05-2021_13-53-11_J-422_ELEMENTS%20OF%20PUBLIC%20ADMINISTRATION-II.pdf** **DATE 13/09/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन-1

(Name of the Course): Modern Indian Political Thought-1

पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-110
(Code of the Course)

2. क्रेडिट: 4
(Credit)

3. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन की मुख्य विशेषताओं से अवगत करना है।
- इस पाठ्यचर्या में छात्र राजा राममोहनरॉय, ईश्वर चन्द्र विद्यासागर, दयानन्द, विवेकानन्द, ज्योतिबा फुले, रमावाई, रानाडे,दादाभाई नौरोजी,गोखले,तिलक,एनी बेसेन्ट, घोष और मदन मोहन मालवीय के विचारों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन का सीधा औरसकारात्मक प्रभाव विद्यार्थी के मानस पटल पर पड़ता है जिससे वह अपने जीवन व व्यक्तित्व में रचनात्मकता और सृजनशीलता ला सकेगा।
2. आधुनिक समाज सुधारकों तथा राजनीतिक चिंतकों की सोच और कृतियों का अध्ययन कर के विद्यार्थी समाज में व्याप्त कुरीतियों और उसे समाप्त करने की समझ विकसित हो सकेगी।
3. आधुनिक समाज सुधारकों एवं राजनीतिक चिंतकों के विचारों को समझ कर विद्यार्थी वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवेश और परिदृश्य में व्यापक बदलाव ला सकते हैं क्योंकि वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक स्वरूप पर पूर्व की स्थितियों का सीधा प्रभाव पड़ता है।

4. इस पाठ्यचर्या में प्रमुख आधुनिक भारतीय राजनीतिक-सामाजिक चिन्तकों के विचारों को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों का संचारकरने में सफल हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.राजा राममोहन रॉय	3			15	25
	2.ईश्वरचन्द्र विद्यासागर	3				
	3..स्वामी दयानन्द सरस्वती	3				
	4.स्वामी विवेकानन्द	4	1	1		
मॉड्यूल-2	1.ज्योतिबा फुले	3	1	1	15	25
	2.पंडिता रमाबाई	3	1	1		
	3.महादेव गोविंद रानडे	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.दादाभाई नौरोजी	3	1	1	15	25
	2.गोपाल कृष्ण गोखले	3	1	1		
	3.बाल गंगाधर तिलक	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.एनी बेसेन्ट	3	1	1	15	25
	2.अरविंद घोष	3	1	1		
	3.मदन मोहन मालवीय	3	1	1		
योग		40	10	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. पुरोहित,डॉ.बी.आर.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. अग्रवाल,ल. एवं अवस्थी,डॉ.ए.पी.(2019). *भारतीय राजनीतिक विचारक*. अग्रवाल प्रकाशन. 4. कुमार,अ. एवं अली,इ.(2018). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाएँ एवं विचारक*. पियर्सन. 5. त्यागी,रु. (2019). *भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 6. कुमार,अ.(सं.). (2017). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवं विचारक* पियर्सन. 7. कमल,प्रो. के.एल.(2017). *भारतीय राजनीतिक चिंतन*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. वर्मा,डॉ.वी.पी.(2018). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: खात्री, हरीश. कुमार.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. कैलाश पुस्तक सदन. 2: चक्रवर्ती, विद्धुत एवं पांडे राजेन्द्र कुमार.(2012). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. रावत पब्लिकेशन. 3: नागर ,डॉ पुरसोतम.*आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन* 4: चक्रवर्ती, वि. एवं पाण्डेय,रा.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. सेज प्रकाशन. 5: सिंह,एम.(2019). *आधुनिक भारत के राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएँ*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 6: शर्मा,वी.(2018). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारधाराएँ*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 7: प्रसाद,यू. (2019).*भारत में मतदान व्यवहार के बदलते आयाम : वर्तमान परिप्रेक्ष्य*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 8: नेमा,जी.पी.(2017). *भारतीय राजनीतिक विचारक*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन.
3	ई-संसाधन	https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-201.pdf **DATE 13/09/2022 ,** https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/MA%20Pol%20Sc.%20F%20Paper%20VII.pdf **DATE 13/09/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक पाश्चात्य राजनीतिक चिन्तन

(Name of the Course): Modern Western Political Thought

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-111
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5.पाठ्यचर्या विवरण(Description of Course) :

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी को पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन के विकास को समझने में सहायता मिलेगी।
- सामाजिक व राजनीतिक परिस्थितियाँ किस प्रकार राजनीतिक चिंतन को पनपने में सहयोग करती हैं, विद्यार्थी को इसका ज्ञान प्राप्त होगा।
- इस पाठ्यचर्या के माध्यम से विद्यार्थी कोवर्तमान राजनीतिक चिंतन को समझने में भी सहायता मिलेगी।
- विद्यार्थी वर्तमान राजनीतिक संस्थाओं की स्थापना में इन विचारकों योगदान को जान सकेंगे।
- इस पाठ्चर्या में मुख्यत बेंथम, मिल, स्पेंसर, हीगल, ग्रीन, मार्क्स, लेनिन, गांधी, राल्स, नॉजिक, हन्ना अरेंट, फ्रॉज फेनान और माओ जेदोंग के राजनीतिक विचार समिल्लित हैं।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes)

1. आधुनिक पाश्चात्य चिंतन के अंतर्गत विद्यार्थी राजनीति स्वतन्त्रता, न्याय, संपत्ति, अधिकार, कानून तथा सत्ता द्वारा कानून को लागू करने आदि विषयों से संबन्धित प्रश्नो की समझ विकसति कर सकेंगे।
2. कौन सी वस्तु सरकार को वैध बनती है, किन अधिकारों और स्वतंत्रताओं की रक्षा करना सरकार का कर्तव्य है, विधि क्या है, किसी वैध सरकार के प्रति नागरिकों के क्या कर्तव्य हैं, आदि विषयों की समझ विससित कर सकेंगे।
3. राजनीतिक चिंतन किसी पूरे युग का अंतर्वर्ती दर्शन होता है जिसके द्वारा इतिहास की व्याख्या करने और भविष्य की संभाविक घटनाओं के बारे में पूर्वानुमान लगाने का प्रयत्न किया जाता है। इससे विद्यार्थी मे विचारशीलता का विकास होगा और वे राजनीतिक चिन्तन के अन्तर्वर्ती दर्शन की समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction / Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.जेरेमी बेन्थम का राजनीतिक विचार	3		1	15	25
	2.जॉन स्टुअर्ट मिल का राजनीतिक विचार	5	1	1		
	3.हरबर्ट स्पेंसर का राजनीतिक विचार	3	1			
मॉड्यूल-2	1.फ्रेडरिक हीगेल का राजनीतिक विचार	4	1	1	15	25
	2.मेरी वोल्टस्टोनक्राफ्ट का राजनीतिक विचार	3	1			
	3.टी.एच. ग्रीन का राजनीतिक विचार	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.कार्ल मार्क्स का राजनीतिक विचार	5	2	1	15	25
	2.लेनिन का राजनीतिक विचार	2		1		
	3.ग्राम्शी काराजनीतिक विचार	3		1		
मॉड्यूल-4	1.जॉन राल्स का राजनीतिक विचार	3	1	1	15	25
	2.रॉबर्ट नॉजिक का राजनीतिक विचार	2				
	3.हन्ना आरेंट का राजनीतिक विचार	2	1			
	4.फ्रॉज फेनान का राजनीतिक विचार	2				
	5.माओ ज़ेदोंग का राजनीतिक विचार	3				
योग		43	09	08	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

- **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. झा,ब्र. कि.(2018). *प्रमुख राजनीतिक चिंतक Vol-I, II*. बिहार हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. गाबा, ओ. प्र.(2010). *पाश्चात्य राजनीति विचारक*. मयूर पेपर बैक्स. 3. कमल,प्रो.के.एल.(2015). *प्रमुख पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी 4. लास्की,एच.जे.(2019). *राजनीतिक व्याकरण*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 5. शर्मा,प्र. (2013). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*. कालेज बुक डिपो. 6. शर्मा,प्र. (2010). *अर्वाचीन राजनीतिक चिंतन मार्क्स से अब तक*. कालेज बुक डिपो. 7. सेबाइन. (2017). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास*. एस चन्द एण्ड कंपनी. 8. गाबा,ओ. प्र.(2010). *राजनीतिक विचारक विश्वकोश*. मयूर पेपर बैक्स. 9. मुखर्जी,सु.(2015). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 10. पुरोहित,वी.आर.(2010). *राजनीतिक चिंतन का विकास*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. फड़िया, डॉ. बी. एल.(2020). *पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन*. साहित्य भवन पब्लिकेशन. 2. शर्मा ,योगेंद्र कुमार.(2001). *पाश्चात्य राजनीतिक विचारक*. कनिष्क प्रकाशक. 3. शर्मा, पीडी. (2021). *राजनीतिक विचार*. रावत पब्लिकेशन. 4. प्रसाद, चंद्र देव. (2012). *आधुनिक राजनीतिक विचारक*. अटलांटिक पब्लिशर्स. 5. कुमार, डॉ अजय (2.017). *पाश्चात्य आधुनिक राजनीतिक चिंतन*. पुस्तक आयु प्रकाशन. 6. वेपर,सी.एल. (2019). *राजनीतिक दर्शन का स्वाध्याय*. किताब महल
3	ई-संसाधन	https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-201.pdf **DATE 13/09/2022 ,** http://mdudde.net/pdf/study_material_DDE/ma/ma_politicalscience/ma-ps01-1st-Western%20Political%20Thought.pdf **DATE 13/09/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय प्रशासन

(Name of the Course): Indian Administration

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-112
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: चतुर्थ
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को भारतीय प्रशासन के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराना है।
- इसके माध्यम से छात्र योजना आयोग, नीति आयोग, क्षेत्रीय परिषद, सु-शासन, ई-शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भारतीय प्रशासन के विकास एवं प्रशास नकेदार्शनिक और संवैधानिक ढाँचे को समझ सकेंगे
2. विद्यार्थी केंद्रीय, राज्य एवं स्थानीय प्रशासनकी संगनात्मक संरचना एवं कार्यों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी सु-शासन,ई-शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही, सार्वजनिक सेवा प्रणाली व प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी योजना आयोग एवं नीति आयोग के कार्यो के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.भारतीय प्रशासन का विकास	3		1	15	25
	2.भारतीय प्रशासन का दार्शनिक ढाँचा	4	1	1		
	3.भारतीय प्रशासन का संवैधानिक ढाँचा	4		1		
मॉड्यूल-2	1.केन्द्रीय प्रशासन की संरचना	4		1	15	25
	2.राज्य प्रशासन की संरचना	4		1		
	3.जिला एवं स्थानीय प्रशासन की संरचना	4		1		
मॉड्यूल-3	1.सु-शासन/ई-शासन	3		1	15	25
	2.पारदर्शिता एवं जवाबदेही, जनसहभागिता	4	1	1		
	3.सार्वजनिक सेवा प्रदायगी (सूचना का अधिकार अधिनियम एवं नागरिक चार्टर)	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.भारत में नियोजन(योजना आयोग, नीति आयोग) एवं आर्थिक विकास	3	1	1	15	25
	2.भारत में वित्तीय प्रबंधन	3	1	1		
	3.भारत में प्रशासनिक सुधार	3	1	1		
योग		**42**	**6**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

- **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्यग्रंथ	1. भट्टाचार्य,मोहित.(2011). *लोक प्रशासन के नये आयाम*. जवाहर पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स. 2. बासु,रूमकी.(2018). *लोक प्रशासन (बदलते परिपेक्ष्य)*. हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 3. सिंह,होशियार. एवं सचदेवा,प्रदीप.(2018). *लोक प्रशासन (सिद्धांत एवं व्यवहार)*. पीयरसन. 4. यादव, सुषमा. (2015). *लोक प्रशासन (सिद्धांत एवं व्यवहार)*. ओरियंट ब्लैक स्वान. 5. सिन्हा,मनोज.(2018). *प्रशासन एवं लोकनीत*. ओरियंट ब्लैक स्वान. 6. चक्रवर्ती,विद्युत.(2018). *वैश्वीकृत दुनिया में लोक प्रशासन*. सेज प्रकाशन. 7. लक्ष्मीकांत,एम.(2022). *लोक प्रशासन*. टी. एम. एच. 8. फड़िया, डॉ. बी. एल. एवं फड़िया, डॉ, कुलदीप,(2020). *भारतीय प्रशासन*. साहित्य भवन पब्लिकेसन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. अवस्थी एवं अवस्थी, (2020.) *भारतीय प्रशसन*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 2. मेहता, प्रो एस सी (2007) *भारतीय प्रशासन*. राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 3. माहेश्वरी, श्रीराम.(2019). *भारतीय प्रशसन*. ओरिएंटल ब्लैक स्वान . 4. कटारिया,डॉ.सुरेन्द्र.(2020). *भारत में लोक प्रशासन*. आर.बी.एस.पब्लिशर्स. 5. सिंह,कमल कुमार. एवं गुप्ता,सुनिल.(2018). *सुशासन*. एन.बी.टी. 6. जैन,आर.वी.(2018). *भारतीय समाज, अधिकारी तंत्र और सुशासन*. माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय.
3	ई-संसाधन	http://mdudde.net/pdf/study_material_DDE/ma/ma_public_administration/ma-pa07-1st-Indian%20administration.pdf Date 12-02-2022 https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/BAPS-302.pdf Date 12-02-2022 http://ignca.gov.in/Asi_data/45192.pdf Date 12-02-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिन्तन-2

(Name of the Course): Modern Indian Political Thought-2

2.पाठ्यचर्याकाकोड: GPPS-C-113
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: पंचम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन को समझ सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों कोआधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन की मुख्य विशेषताओं से अवगत करना है।
- इस पाठ्यचर्या में छात्र गांधीजी, एम.एन. राय, सावरकर, अम्बेडकर, नेहरु, लोहिया, जय प्रकाश नारायण, सर सैयद अहमद खान, मुहम्मद इकबाल, मुहम्मद अली जिन्ना, दीन दयाल जी, विनोवा भावे और पेरियार के विचारों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन का सीधा औरसकारात्मक प्रभाव विद्यार्थी के मानस पटल पर पड़ता है जिससे वह अपने जीवन व व्यक्तित्व में रचनात्मकता और सृजनशीलता ला सकेगा।
2. आधुनिक समाज सुधारकों तथा राजनीतिक चिंतकों की सोच और कृतियों का अध्ययन कर के विद्यार्थी समाज में व्याप्त कुरीतियों और उसे समाप्त करने की समझ विकसित हो सकेगी।
3. आधुनिक समाज सुधारकों एवं राजनीतिक चिंतकों के विचारों को समझ कर विद्यार्थी वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिवेश और परिदृश्य में व्यापक बदलाव ला सकते हैं क्योंकि वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक स्वरूप पर पूर्व की स्थितियों का सीधा प्रभाव पड़ता है।
4. इस पाठ्यचर्या में प्रमुख आधुनिक भारतीय राजनीतिक-सामाजिक चिन्तकों के विचारों को सम्मिलित किया गया है। यह पाठ्यचर्या विद्यार्थियों में आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारों का सचार करने में सफल हो सकेगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	महात्मा गांधी	5	1	1	22	37
	एम. एन. रॉय	3		1		
	वी. डी. सावरकर	5	1	1		
	डॉ. बी. आर. अम्बेडकर	3		1		
मॉड्यूल-2	जवाहरलाल नेहरू	3		1	15	25
	राम मनोहर लोहिया	5		1		
	जय प्रकाश नारायण	4		1		
मॉड्यूल-3	सर सैयदअहमद खान	3			08	13
	मुहम्मद इकबाल	3				
	मुहम्मद अली जिन्ना	2				
मॉड्यूल-4	पं. दीन दयाल उपाध्याय	5	1	1	15	25
	विनोबा भावे	4	1	1		
	पेरियार	2				
योग		47	04	09	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	X	X	X	X	X	X	X

टिप्पणी:

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. पुरोहित,डॉ.बी.आर.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतक*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 2. वर्मा,डॉ.वी.पी.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. लक्ष्मी नारायण नारायण अग्रवाल. 3. अवस्थी,डॉ.ए.पी.(2019). *भारतीय राजनीतिक विचारक*. अग्रवाल प्रकाशन. 4. कुमार,अ. एवं अली,इ.(2018). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाएँ एवं विचारक* पियर्सन. 5. त्यागी,रु.(2019). *भारतीय राजनीतिक चिंतन प्रमुख अवधारणाएँ एवं चिंतक* हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय. 6. कुमार,अ.(सं.) (2017). *भारतीय राजनीतिक चिंतन संकल्पनाए एवं विचारक* पियर्सन. 7. कमल,प्रो.के.एल.(2017). *भारतीय राजनीतिक चिंतन*. राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी. 8. चक्रवर्ती, वि. एवं पाण्डेय,रा.(2020). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन*. सेज

		प्रकाशन. 9. सिंह,एम.(2019). *आधुनिक भारत के राजनीतिक विचारक एवं विचारधाराएँ.* यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 10. शर्मा,वी.(2018). *आधुनिक भारतीय राजनीतिक विचारधाराएँ*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन. 11. नेमा,जी.पी.(2017). *भारतीय राजनीतिक विचारक*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. फड़िया, डॉ. बी. एल.(2022). *भारतीय राजनीतिक चिंतन.* साहित्य भवन पब्लिकेशन. 2. नागर,डॉ. पुरषोतम.(2015). *आधुनिक भारतीय सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन.* राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 3. गाबा ,ओमप्रकाश.(2019). *भारतीय राजनीति विचारक.* नेशनल पेपरबैक्स. 4. शर्मा, डॉ. योगेंद्र कुमार.(2004). *भारतीय राजनीतिक विचारक भाग (1) प्राचीन एवं आधुनिक.* कनिष्का पब्लिशर.
3	ई-संसाधन	**https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-201.pdf** **DATE 02/06/2022 ,** **https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/MA%20Pol%20Sc.%20F%20Paper%20VII.pdf** **DATE 02/06/2022 ,**

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत

(Name of the Course): Theory of International Politics

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-114
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: पंचम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- यह पाठ्यक्रम अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के प्रमुख सिद्धांतों, प्रक्रियाओं और परिणामों का निरूपण है।
- इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति एवं अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के प्रमुख उपागम एवं सिद्धांतों की व्याख्या करता है।
- यह पाठ्यक्रम छात्रों को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के विषय में सोचने एवं समझने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेगा।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, प्रकृति व क्षेत्र के बारे में जानेंगे तथा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांतों के बारे में समझ विकसित करेंगे।
2. विद्यार्थी राष्ट्रीय शक्ति के तत्व, उपयोग व सीमाओं के साथ साथ शक्ति संतुलन व सामूहिक सुरक्षा के अभिप्राय को जानेंगे।
3. विद्यार्थी राष्ट्रीय हित, विदेश नीति, राजनय तथ अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा को बदलती हुई अवधारणा व राष्ट्र राज्य की चुनौतियों के बारे में समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी युद्ध एवं संघर्ष, शस्त्र नियंत्रण एवं नि:शस्त्रीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति राज्येत्तर कर्ता की भूमिका के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति: अर्थ, परिभाषा प्रकृति एवं क्षेत्र	**2**			**15**	25
	2.अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त:यथार्थवाद एवं नव यथार्थवाद,	**2**		**1**		
	3.उदारवाद एवं नव-उदारवाद	2		**1**		
	4.मार्क्सवाद एवं नव-मार्क्सवाद	**2**				
	5.निकास/व्यवस्था सिद्धान्त	2				
	6.निर्णय/निर्माण सिद्धान्त	2		1		
मॉड्यूल-2	1.राष्ट्रीय शक्ति, शक्ति के तत्व, शक्ति का उपयोग और सीमाएं	**3**	**1**	1	**15**	25
	2.शक्ति सन्तुलन :अर्थ एवं अभिप्राय, तकनीकी एवं प्रासंगिकता	**3**	**1**	1		
	3.सामूहिक सुरक्षा :अभिप्राय एवं सामूहिक सुरक्षा के विचार का विकास	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.राष्ट्रीय हित :अर्थ एवं अभिप्राय, निर्माण और उन्नयन	**2**	**1**	1	**15**	25
	2.विदेश नीति एवं राजनय	**2**	**1**			
	3.अंतरराष्ट्रीय राजनीति में विचारधारा की भूमिका	**2**	**1**	1		

	4.अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में राज्येतर कर्ता की भूमिका	**2**	**1**	1		
मॉड्यूल-4--	1.युद्ध एवं संघर्ष की प्रकृति, कारण और प्रकार, (पारंपरिक, नाभकीय/जैव रासायनिक)	**3**	**1**	1	**15**	25
	2.शस्त्र नियन्त्रण एवं नि:शस्त्रीकरण,शांति और सहयोग	**3**	**1**	1		
	3.राष्ट्रीय सुरक्षा की बदलती हुई अवधारणा और राष्ट्र-राज्य व्यवस्था की चुनौतियाँ	**3**	**1**	1		
योग		**38**	**10**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिकव्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

- **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	**06**	**06**	**08**	**10**	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. बिस्वाल,त. (2009). *अंतरराष्ट्रीय संबंध* ओरियंट ब्लैक स्वान. 2 फड़िया,बी.एल.फड़िया, कुलदीप (2020). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3. घई,यू.आर.(2020). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. न्यू एकेडमिक पब्लिसिंग कंपनी. 4. खन्ना,वी.एन.(2022). *अंतरराष्ट्रीय संबंध* विकास पब्लिशिंग. 5. कुमार, महेंद्र. एवं नन्दलाल.(2021). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सैद्धांतिक पक्ष*. शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 6. कुमार, अजय.(2011). *अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत* पियर्सन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंघल, डॉ.एस.सी.(2020). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 2. नरूला,बी.सी.(2009). *अंतरराष्ट्रीय राजनीत*. कामनवेल्थ पब्लिशर्स . 3. बसु, रूमकी.(2019). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति अवधारणाएं : सिद्धांत एवं मुद्दे* सेज पब्लिकेशन.
3	ई-संसाधन	https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-101.pdf Date 11-07-2022 http://www.dspmuranchi.ac.in/pdf/Blog/attachment-2.pdf Date 11-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1.पाठ्यचर्या का नाम: भारत की विदेश नीति एवं अंतरराष्ट्रीय संबंध

(Name of the Course): Indian Foreign Policy and International Relations

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-115
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: पंचम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या के माध्यम विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी पड़ोसी देशों एवं विश्व के प्रमुख देशों के साथ भारत के संबंधों का अध्ययन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भारत की विदेश नीति के उद्देश्य, सिद्धान्त व निर्धारक तत्वों के साथ-साथ गुटनिरपेक्ष आंदोलन की पृष्टभूमि सिद्धान्त एवं उसकी प्रासंगिकता का अध्ययन कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारत का अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधो की व्याख्या एवं सार्क के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया,जापान,आसियान,दक्षिण कोरिया,मध्य एशिया आदि देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारत एवं महाशक्तियों के साथ सम्बन्ध तथा संयुक्तराष्ट्र संघ एवं यूरोपीय संघ के देशों के साथ सम्बन्धों का अध्ययन कर इसके बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
1	1.भारतीय विदेश नीति की ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक पृष्ठभूमि	2		1	15	25
	2.भारतीय विदेश नीति के निर्धारक तत्व	3		1		
	3.भारतीय विदेशनीति के प्रमुख सिद्धांत एवं उद्देश्य	3		1		
	4.गुटनिरपेक्ष आंदोलन एव भारतीय विदेश नीति	3		1		
मॉड्यूल-2	1 कौटिल्य एवं मनु के काल मे भारत की विदेश नीति (षड्गुण्य सिद्धांत एवं मण्डल सिद्धांत)	3		1	15	25
	2.उष्णा एवं शुक्राचार्य द्वारा वर्णित भारत की विदेश नीति	3		1		
	3.भारत एवं प्रादेशिक संगठन – राष्ट्रमंडल, सार्क, आसियान, हिमतक्षेस	5	1	1		
मॉड्यूल-3	1.भारत और अमेरिका के मध्य संबंध	3		1	15	25
	2.भारत और रूस के मध्य संबंध	2		1		
	3.भारत और चीन के मध्य संबंध	2		1		
	4.भारत का अन्य महत्वपूर्ण वैश्विक	3	1	1		

	शक्तियों के साथ संबंध					
मॉड्यूल-4	1.भारतीय परमाणु नीति	3		1	15	25
	2.संयुक्त राष्ट्र का लोकतंत्रीकरण और भारतीय कूटनीति	4	1	1		
	3.वर्तमान वैश्विक राजनीति एवं भारत की भूमिका	3	1	1		
योग		**42**	**4**	**14**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य	2			लक्ष्य	3
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार एवं सम्प्रेषण कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	सूचना एवं संचार प्रोद्योगिकी कौशल
	X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

6. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
7. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार-पाठ्यग्रंथ	1. पंत, पु. (2023).*भारत की विदेश नीति*. टी.एम.एच. 2. यादव,आर.एस.(2013). *भारत की विदेश नीति*.पीयरसन. 3. मौर्य,जे.(2022). *आधुनिक भारत और उसके पड़ोसी देश*. यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स. 4. सीकरी,राजीव.(2017). *भारत की विदेशी नीति*. सेज प्रकाशन. 5. सिंह,पंकज कुमार.(2015). *भारत की विदेश नीति*. प्रकाशन संस्थान. 6. दीक्षित,जे. एन. (2021). *भारत की विदेश नीति*. सेज प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1; खन्ना,बी.एन.,अरोणा.लिपाक्षी एवं कुमार,लैश्ली.(2019). *भारत की विदेश नीति*. विकाश पब्लिशिंग. 2: गांगुली,सुमित.(2018). *भारत की विदेश नीति पुनरावलोकन एवं संभावनाएं*. ओ यू पी इंडिया. 3; सिंघल,डॉ.एस.सी.(2020). *भारत की विदेश* नीति. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 4 : बिस्वाल(2016). *अंतर्राष्ट्रीय संबंध* ओरियंट ब्लैक स्वान 5: चौधरी,शैलेश.कुमार.(2018). *भारत की विदेश नीति बदलते परिवेश*. प्रशांत पब्लिशिंग हाउस
3	ई-संसाधन	http://mdudde.net/pdf/study_material_DDE/ma/ma_politicalscience/ma-ps19-2nd-Foreign%20Policy%20of%20India.pdf Date 01-05-2022 https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/30007 Date 01-05-2022 http://www.dspmuranchi.ac.in/pdf/Blog/attachment-2.pdf Date 01-05-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय राजनीति

(Name of the Course): International Politics After Second World War

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-116
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: षष्ठम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से अब तक के सात दशकों में राष्ट्रों को इस बात का भली भांति एहसास हो गया है कि युद्ध से विध्वंश ही हो सकता है, किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं। अब राष्ट्र परस्पर जुड़ कर विकास कि यात्रा तय करना चाहते हैं। इस सोच में अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति या राष्ट्रों के मध्य राजनीति कुछ ज्यादा सक्रिय और ज्यादा जीवंत हो गई है।
- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य अध्येयता को अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का सामान्य परिचय देना है। इसके अध्ययन के पश्चात छात्र अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति की यव्याव्येता से परिचित हो सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. द्वितीय विश्वयुद्ध ने न केवल अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति को मूलभूत रूप में प्रभावित किया अपितु कई महत्वपूर्ण मुद्दों की अभिव्यक्ति भी की, अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के कारकों मे परिवर्तन, उन कारकों को व्यापक स्वरूप प्रदान करना, नवीन सिद्धांतो का प्रतिपादन आदि अनेक विषयों के अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति का पूर्ण परिवेश ही बादल कर रख दिया। इस पाठ्चर्या के अध्ययन से विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी द्वितीय विश्वयुद्धोतर अन्तर्राष्ट्रीय परिस्थितियों का विशिष्ट, तार्किक तथा वैज्ञानिक दृष्टि से अवलोकन कर अन्तर्राष्ट्रीय संबंधो की वास्तविकता को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थीद्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात वदलते अंन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य को उसके ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं वैज्ञानिक विकास को वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक संदर्भों के साथ जोड़ कर देखने का प्रयास कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल -1	1.द्वितीय विश्वयुद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय प्रवृत्तियाँ	**3**		1	15	25
	2.शीतयुद्ध : उत्पत्ति, विकास एवं विश्व राजनीति पर प्रभाव	**3**		1		
	3.तनाव शैथिल्य, नया शीतयुद्ध एवं शीतयुद्ध का अंत	**3**		1		
	4.सोवियत संघ का विघटन एवं एकल ध्रुवीय विश्व की अवधारणा	**3**				
मॉड्यूल -2	1.तृतीय विश्व की अवधारणा,	**3**	1	1	15	25
	2.गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रकृति, विकास एवं भारत की भूमिका	4	1	1		
	3.गुटनिरपेक्ष आंदोलन की प्रासंगिकता एवं गुटनिरपेक्ष आंदोलन -2 की अवधारणा का विकास	**3**	1			
मॉड्यूल -3	1.नयी अन्तर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की अवधारणा	**3**	**1**	1	**15**	25
	2.उत्तर-दक्षिण संवाद और दक्षिण-दक्षिण सहयोग	**3**	**1**	1		
	3.विश्व व्यापार संगठन	**3**	**1**	1		
मॉड्यूल -4	1.नयी विश्व व्यवस्था : अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं विशेषताएँ	**2**	**-**	1	**15**	25
	2.वैश्वीकरण एवंअल्पविकसित देशों की समस्याएँ	**2**	**-**	1		
	3.वैश्वीकरण के युग में राष्ट्र-राज्य की बदलती हुई भूमिका	**2**	**-**	1	**15**	25
	4.परमाणु युग : सुरक्षा की समस्या, नि:शस्त्रीकरण एवं चुनौतियाँ	**2**	**-**			
	5. मानवीय सुरक्षा के समक्ष उत्पन्न संकट ऊर्जा संकट, जल संकट, पर्यावरण संकट,साइबर संकट, आतंकवाद	**4**	**-**			
योग		**43**	**06**	**11**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य /संदर्भ-ग्रंथ	1. कुमार,म.(2013). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत.* शिवलाल अग्रवाल एंड कंपनी. 2. खन्ना,वी.एन.(2014). *अंतरराष्ट्रीय संबंध.* विकास पब्लिशिंग हाउस. 3. फाडिया,बी.एल.(2022). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार).* साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 4 . कुमार, महेंद्र एवं नंदलाल.(2021). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति.* शिवपाल अग्रवाल एण्ड कंपनी. 5. फड़िया,बी.एल.एवं कुलदीप.(2019).*अंतरराष्ट्रीय राजनीति.* साहित्य पब्लिकेशन. 6. पंत,पुष्पेश.(2021). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति.* मीनाक्षी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1:ओझा,विवेक.(2021). *भारत की आंतरिक सुरक्षा चुनौतिया एवं समाधान.* राजकमल प्रकाशन. 2; जौहरी,डॉ.जे.सी.(2020). *अंतरराष्ट्रीय सम्बंध.* एस.बी.पी.डी.पब्लिकेशन. 3: सिंघल डॉ.एस.सी.(2022). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति.* लक्ष्मी नारायण अग्रवाल.
3	ई-संसाधन	https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/BA-III-Pol-II.pdf Date 18-09-2022 https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2021/Mar/4_03-24-2021_15-24-07_International%20Politcs-1(20POL21c3).pdf Date 18-09-2022 http://www.dspmuranchi.ac.in/pdf/Blog/attachment-2.pdf Date 18-09-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** संयुक्त राष्ट्र संघ एवं मानवाधिकार

(Name of the Course): United Nations and Human Rights

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-117
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: **4**
(Credit)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. सेमेस्टर: षष्ठम
(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के पश्चात छात्र भारत में विकास और संस्था निर्माण में सम्मिलित अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों कि पहचान कर सकेंगे।
- विद्यार्थी नीति निर्माण में अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों कि भूमिका कि व्यख्या कर सकेंगे।
- विद्यार्थी भारत में सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी द्वितीय विश्व युद्ध के पश्चात अन्तर्राष्ट्रीय शांति की स्थापना में संयुक्त राष्ट्र संघ की महत्वपूर्ण भूमिका को समझ सकेंगे।
2. विद्यार्थी संयुक्त राष्ट्र संघ ने किस तरह से समस्त विश्व को एक विश्व- व्यवस्था के अंतर्गत समाहित कर के कार्य करने के लिए प्रेरित किया है, उसे समझ कर वर्तमान अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक परिस्थितियों को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी वर्तमान में जब वैश्विक स्तर पर नित - नूतन विध्वंशक हथियारों का आविस्कार, सशक्तिकरण की होड़ एवं युद्ध की स्थिति बनी हुई है उस परिस्थिति मे संयुक्त राष्ट्र अन्तर्राष्ट्रीय जगत को वैश्विक शांति की ओर ले जाने के लिए किस प्रकार कार्य कर रहा है, इसे समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.संयुक्त राष्ट्र की स्थापना	4		1	14	23
	2.संयुक्त राष्ट्र का चार्टर, उद्देश्य एवं सिद्धान्त	4		1		
	3.संयुक्त राष्ट्र चार्टर में संशोधन	2				
	4. संयुक्त राष्ट्र की सदस्यता	2				
मॉड्यूल-2	1.विशिष्ट अभिकरण	6	2	2	22	37
	2. महासभा,सुरक्षा परिषद	5	1	1		
	3.आर्थिक एवं सामाजिक परिषद	2				
	4. अंतरराष्ट्रीय न्यायालय	2	1			
मॉड्यूल-3	1.सचिवालय	2			13	22
	2. न्यास परिषद	2				
	3. संयुक्त राष्ट्र का लकतांत्रिकरण एवं भारत की भूमिका	4		1		
	4.संयुक्त राष्ट्र मे भारतीय मुद्दे	4				
मॉड्यूल-4	1.संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार	2			11	18
	2.संयुक्त राष्ट्र : वित्तीय प्रबंधन एवं चार्टर में संशोधन की समस्या एवं समाधान	2				
	3.संयुक्त राष्ट्र : शक्ति संघर्ष एवं राजनीति और विवादों का शांतिपूर्ण समाधान	4		1		
	4.संयुक्त राष्ट्र : उपलब्धियाँ एवं आलोचनात्मक	2				

	मूल्यांकन					
योग		**49**	**04**	**07**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. पंत,डॉ.पुष्पेश.(2021). *अंतरराष्ट्रीय संबंध.* मिनाक्षी प्रकाशन . 2. फडिया,बी.एल.(2022).अंतरराष्ट्रीय *संगठन.* साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3. घई,यू.आर.(2020). *अंतरराष्ट्रीय राजनीति.* जालंधर: न्यू एकेडेमिक पब्लिशिंग हाऊस. 4. भसीन,अनीश.(2018). *अंतरराष्ट्रीय संगठन.* प्रभात प्रकाशन. 5. सिंघल,डॉ.एस.सी.(2020). *अंतरराष्ट्रीय संगठन.* लक्ष्मीनारायण अग्रवाल .
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: शिरीष,नीना.(2004). *संयुक्त राष्ट्र संघ* हिन्दी माध्यम कार्यांवय निदेशालय. 2: श्रीवास्तव, सुधा.रानी.(2012). *मानव अधिकार.* मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 3: सिंह,रामपाल.(2017). *संयुक्तराष्ट्र संघ चुनौतियाँ एवं भविष्य.* ग्लोबल एक्सचेंज पब्लिशर्स. 4: तिवारी,डॉ.पंकज कुमार.(2018). *संयुक्तराष्ट्र संघ बदलते संदर्भ एवंप्रासंगकिता.* अंकित पब्लिकेशन. 5: शिंघ,डॉ.वैकुंठनाथ.(2018). *संयुक्त राष्ट्रसंघ* ज्ञान प्रकाशन .
3	ई-संसाधन	https://rajdhanicollege.ac.in/admin/ckeditor/ckfinder/userfiles/files/HR%20BOOK.pdf Date 09-11-2022 https://rajdhanicollege.ac.in/admin/ckeditor/ckfinder/userfiles/files/United%20Nations.pdf Date 09-11-2022 https://digitallibrary.in.one.un.org/TempPdfFiles/3016_1.pdf Date 09-11-2022 http://www.jkppgcollege.com/e-content/dr-abha-saini-manvadhikar.pdf Date 09-11-2022 https://digitallibrary.in.one.un.org/TempPdfFiles/3149_1.pdf Date 09-11-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारतीय शासन एवं राजनीति

(Name of the Course): Indian Government and Politics

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-118
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: षष्ठम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय शासन एवं राजनीति की प्रमुख विशेषताओं से अवगत कराना है।
- इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को भारतीय राजनीति के विभिन्न अवयवों के साथ साथ मौलिक अधिकार, मौलिक कर्तव्य, नीति निदेशक तत्व तथा भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के विभिन्न रूपों का अध्ययन कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषता से परिचित हो सकेंगे तथा भारतीय संविधान में वर्णित मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों, व नीति निर्देशक तत्वो के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी भारतीय संविधान में संघवाद की प्रवृत्तियों के साथ साथ केंद्र व राज्य की कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका की कार्य प्रणाली से परिचित हो सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारत में दलीय व्यवस्था, चुनाव प्रणाली व मतदान व्यवहार के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारतीय संविधान मे लोकतंत्र, सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकीकरण के साथ साथ भारत में व्याप्त धर्म, जाति, लिंग, संप्रदाय, अपराधीकरण जैसी समस्यायों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.भारतीय राजनीतिक व्यवस्था के निर्धारक तत्व एवं प्रकृति	2			15	25
	2.भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की मुख्य विशेषतायें	2				
	3. मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्य एकसमीक्षा	4	1	1		
	4.राज्य के नीति निदेशक तत्व की समीक्षा	3	1	1		
मॉड्यूल-2	1.भारत में संघवाद की उभरती प्रवृत्तियाँ : सशक्त केंद्रपरक संरचना	2		1	15	25
	2.भारतीय शासन व्यवस्था की प्रकृति : कार्यपालिका, विधायिका एवं न्यायपालिका	5	1	1		
	3.राज्य व्यवस्थापिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.भारत में दलीय व्यवस्था : राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय दल	3	1	1	15	25
	2.भारत का निर्वाचन आयोग	3	1	1		
	3.भारत में मतदान व्यवहार एवं चुनाव सुधार	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.भारत में संविधानवाद : लोकतंत्र,सामाजिक परिवर्तन, राष्ट्रीय एकता, मौलिक संरचना पर बहस	2	1	1	15	25

	2.भारत में संविधान संशोधन की प्रक्रिया	**2**	**1**	1		
	3.भारतीय राजनीतिक व्यवस्था की समस्याएँ: पंथनिरपेक्षता सम्प्रदायिकता, अपराधीकरण, नक्सलवाद, जातिवाद एवं भ्रष्टाचार की समस्याएँ	**5**	**1**	1		
योग		**39**	**10**	**11**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	1. सिंघल,डॉ.एस.सी.(2020). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* लक्ष्मीनारायण अग्रवाल . 2. जैन,डॉ.पुखराज.(2022).*भारती शासन एवं राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेशन 3;खत्री,हरीश.कुमार.(2022). *भारती शासन एवं राजनीति.* कैलाश पुस्तक सदन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1.फड़िया,प्रो.बी.एल.एवं फडिया.डॉ.कुलदीप.(2020). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* साहित्य भवन. 2: चौधरी.(2022). *भारतीय शासन एवं राजनीति.* ओरियंट लाँगमैन. 3: कश्यप,डॉ.सुभाष.(2016). *भारतीय राजनीति और संसद.* राजकमल प्रकाशन. 4: जैन,डॉ.पुखराज.(2022) *भारतीय शासन एवं राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेसन.
3	ई-संसाधन	https://ia801606.us.archive.org/25/items/in.ernet.dli.2015.545189/2015.545189.Bhartiya-Shasan.pdf Date 09-11-2022 https://youtu.be/E2-EvjUYVqQ Date 09-11-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: तुलनात्मक शासन एवं राजनीति

(Name of the Course): Comparative Government and Politics

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-119
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. सेमेस्टर: सप्तम
(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- तुलनात्मक शासन एवं राजनीति के अंतर्गत एक अध्ययन पद्धति और अध्ययन विषय दोनों ही शामिल है।
- एक अध्ययन पद्धति के रूप में यह तुलनात्मक अध्ययन पर आधारित है एवं एक विषय के रूप में इसके अंतरर्गत राज्य, समाज अथवा राजनीतिक व्यवस्था के अंतर्गत राजनीतिक प्रक्रिया को समझने का प्रयास किया गया है।
- इस पाठ्चर्या का उद्देश्य विभिन्न देशों की राजनीति और शासन व्यवस्था की तुलनात्मक समझ विकसितकरना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी तुलनात्मक राजनीति के अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र के विभिन्न विकास की प्रक्रियाओं तथा तुलनात्मक राजनीति के विभिन्न उपागमों के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी संविधानवाद के उदय एवं विकास, शासन के विभिन्न प्रकारों के साथ साथ राजनीतिक संस्थाओं का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी राजनीतिक संस्कृति, राजनीतिक विकास, राजनीतिक आधुनिकीकरण एवं राजनीतिक समाजीकरण, संचार व सम्प्रेषण की तुलनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी राजनीति दल प्रणालियों, प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त, प्रजातन्त्र का सिद्धान्त, शक्ति का सिद्धान्त तथा अभिजनवर्ग का तुलनात्मक अध्ययन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल -1	1.तुलनात्मक राजनीति: अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र एवं एक अनुशासन के रूप में विकास (वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य)	3	1	1	12	20
	2.तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम : दार्शनिक एवं आधुनिक उपागम	2				
	3.व्यवहारवादी उपागम,संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक एवं व्यवस्था उपागम	3	1	1		
मॉड्यूल -2	1.संविधानवाद : अभ्युदय विकास, समस्याएँ एवं समाधान	3		1	19	32
	2.शासन के प्रकार : संसदीय तथा अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली,एकात्मक तथा संघात्मक शासन प्रणाली	3	1	1		
	3.राजनीतिक संस्थाओं (व्यवस्थापिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका)का तुलनात्मक अध्ययन	3	1	1		
	4.राजनीतिक व्यवस्था का वर्गीकरण:उदार-लोकतंत्रीय,सर्वाधिकारवादी,स्वेच्छाचारी,समाजवादी एवं विकासशील	3	1	1		
मॉड्यूल -3	1.राजनीतिक संस्कृति एवं राष्ट्रीय पुनर्निर्माण	3		1	14	23
	2.राजनीतिक विकास एवं राजनीतिक आधुनिकीकरण	2		1		
	3.सतत् विकास का वैश्विक एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य	2		1		
	4.राजनीतिक समाजीकरण, राजनीतिक संचार/सम्प्रेषण	3		1		
मॉड्यूल -4	1.राजनीतिक दल एवं दल प्रणालियाँ एवं दबाव समूह	3		1	15	25
	2.प्रतिनिधित्व के सिद्धान्त	2		1		
	3.राजनीतिक अभिजात्य और प्रजातंत्र का अभिजात्य सिद्धान्त	3		1		
	4.शक्ति की संरचना-शासक वर्ग, अभिजन वर्ग, लोकतांत्रिक अभिजन वर्ग	3		1		
योग		41	05	14	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

12. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

13. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. गेना,सी.बी.(2020). *तुलनात्मक राजनीति एवं राजनीतिक संस्थाएँ* विकास पब्लिशिंग हाउस. 2. जौहरी,जे.सी.(2022). *तुलनात्मक राजनीति*. स्टार्लिंग पब्लिशिंग हाउस. 3. गाबा,ओ.प्र. (2018). *तुलनात्मक राजनीति की रूपरेखा*. मयूर पेपर बैक्स.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: गुप्ता आशा (2016) *राजनीतिक प्रक्रियाएं एवं संस्थाएं*.हिन्दी माध्यम कार्यान्वयान 2: फड़िया बी एल (2018) *तुलनात्मक राजनीति* साहित्य भवन पब्लिकेशन
3	ई-संसाधन	http://mdudde.net/pdf/study_material_DDE/ma/ma_politicalscience/MA-F-Comparative%20Politics%20and%20Poltical%20Analysis-complete.pdf Date 05-07-2022 https://uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAPS-104.pdf Date 05-07-2022 http://www.uprtou.ac.in/other_pdf/MAPS-03%20Hindi%20220%20final%202019.pdf Date 05-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. **पाठ्यचर्या का नाम:** **(Name of the Course):** शोध प्रविधि

2. **पाठ्यचर्या का कोड:** **(Code of the Course):** GPPS-C-120

3. **क्रेडिट:** **(Credit)** 4

4. **सेमेस्टर:** **(Semester)** सप्तम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- प्रत्येक विषय या अनुशासन के विकास में उसके अध्ययन पद्धति एवं अनुसंधान प्रविधि की केंद्रीय भूमिका होती है।
- राजनीति विज्ञान के छात्रों को शोध प्रविधि के अध्ययन एवं समझ की अत्यंत आवश्यकता होती है।
- इस पाठ्यचर्या का उद्देश्य छात्रों को शोध प्रविधिके विभिन्न चरणों का बोध कराना है।
- शोध प्रतिवेदन में शोध के उद्देश्य, क्षेत्र, प्रविधियाँ, संकलित तथ्यों का विवरण, विश्लेषण, व्याख्या और निष्कर्ष आदि लिखित रूप में कैसे प्रस्तुत किया जाय, इसकी समझ विकसित कराना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी शोध प्रविधि, उद्देश्य, शोध वस्तुनिष्ठता एवं शोधार्थी नैतिकता के साथ साथ विभिन्न शोध प्ररचना के बारे में जान सकेंगे।
2. विद्यार्थी शोध की विभिन्न पद्धतियों एवं शोध के चरण, शोध समस्या एवं परिकल्पना के बारे जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी आंकड़ा संग्रहण के विभिन्न तकनीकों एवं शोध सांख्यिकीकी विभिन्न पद्धयतियों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी शोध निष्कर्ष एवं संदर्भ सूची, पुस्तक समीक्षा, शोध परियोजना, प्रतिवेदन आदि के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	शोध : परिभाषा, प्रकृति, उद्देश्य एवं विशेषताएँ, शोध की वस्तुनिष्ठता एवं शोधार्थी की नैतिकता	5	1	1	15	25
	शोध प्ररचना/अभिकल्प:ऐतिहासिक, वर्णनात्मक, विश्लेषणात्मक, आनुभविक, अन्वेषणात्मक, मात्रात्मक एवं गुणात्मक, परीक्षणात्मक	6	1	1		
मॉड्यूल-2	शोध पद्धतियाँ : वैयक्तिक अध्ययन, अंतर्वस्तु विश्लेषण, समाजमिति एवं नृजातीय, सांस्कृतिक अध्ययन पद्धति	5	1	1	15	25
	शोध के चरण : शोध समस्या का चुनाव, साहित्य पुनरावलोकन, परिकल्पना एवं आंकड़ा संग्रहण एवं विश्लेषण, केस स्टडी	6	1	1		
मॉड्यूल-3	आंकड़ा संग्रहण की तकनीक : प्राथमिक एवं द्वितीयक श्रोत, प्रश्नावली एवं अनुसूची, अवलोकन एवं साक्षात्कार	5	1	1	15	25
	शोध सांख्यिकी पद्धतियाँ : केंद्रीय प्रवृत्ति की माप, विचलन, सह संबंध, काई स्क्वायर (X^2) परीक्षण, t-परीक्षण एवं f-परीक्षण, SPSS	6	1	1		
मॉड्यूल-4	शोध की वस्तुनिष्ठता एवं सत्यनिष्ठता	2	1	1	15	25
	शोध निष्कर्ष का प्रस्तुतीकरण एवं संदर्भ सूची: शोध सारांश, शोध पत्र एवं शोध आलेख, शोध प्रस्ताव, पुस्तक समीक्षा एवं शोध परियोजना प्रतिवेदन	4	1	1		
	बिब्लियोग्राफ़ी: एम.एल.ए.,	2		1		
	ए.पी.ए. एवं शिकागो	1		1		
योग		42	08	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत केआधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रन्थ	1. मुखर्जी,नाथ.रवींद्र.(2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* विवेक प्रकाशन. 2. दास,लाल.डी.के.(2017). *सामाजिक शोध: सिद्धांत एवं व्यवहार.* रावत प्रकाशन. 3. त्रिपाठी,सत्येंद्र.(2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.*रावत प्रकाशन. 4. Bryman,A.(1988). *Quality and Quantity in Social Research.* Unwin Hyman. 5. Jayaram,N.(1989). *Sociology: Methods and Theory.* MacMillian. 6. Bose,P.K.(1995). *Research Methodology.* ICSSR.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1 .लाल,जे.एन.(2012). *मनोवैज्ञानिक सांख्यिकी.* नील कमल प्रकाशन. 2. मुखर्जी,नाथ.रवींद्र.(2014). *सामाजिक शोध व सांख्यिकी.* विवेक प्रकाशन. 3 .त्रिपाठी,सत्येंद्र.(2017). *सामाजिक अनुसंधान एवं सांख्यिकी.*रावत प्रकाशन. 4. Shipman,M.(1988). *The Limitations of Social Research.* Longman Pbc. 6 . Sjoberg,G. & Roger,N.(1997). *Methodology for Social Research.* Rawat Pbc.
3	ई-संसाधन	https://ia904707.us.archive.org/10/items/in.ernet.dli.2015.273603/2015.273603.Shodh-Pravidhi.pdf Date 05-07-2022 https://mdu.ac.in/UpFiles/UpPdfFiles/2020/Jan/research_methodology.pdf Date 05-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: अंतरराष्ट्रीय संगठन

(Name of the Course): International Organization

4. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-121
(Code of the Course)

2. क्रेडिट: 4
(Credit)

3. **सेमेस्टर:** सप्तम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यचर्या में अन्तर्राष्ट्रीय संगठन का अर्थ,प्रकृति, क्षेत्र तथा विकास कि संभावनाओं को सम्मिलित किया गया है।
- राष्ट्र संघ एवं संयुक्त राष्ट्र की उत्पत्ति उद्देश्य, सिद्धान्त, कार्यों का विश्लेषण किया जाएगा।
- संयुक्त राष्ट्र के विशेष अभिकरणों – युनेस्को,अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, यूनिसेफ, विश्व स्वस्थ्य संगठन, के कार्यों व उपलब्धियों से अवगत हो सकेंगे।
- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विश्व में स्थायी रूप से विश्व में शांति की स्थापना हेतु संयुक्त राष्ट्र की भूमिका तथा उसमें आवश्यक सुधार की समझ विससित होगी।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. इसके अंतर्गत बहुराज्य व्यवस्था में राज्यों की पारस्परिक सम्बन्धों के नियमन के विषय में अध्ययन कर सकेंगे।
2. अन्तर्राष्ट्रीय अन्योन्याश्रिता से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण हेतु अन्तर्राष्ट्रीय संगठन की उपादेयता के विषय में जान सकेंगे।
3. वर्तमान में वैश्विक सम्बन्धों के संचालन मे अन्तर्राष्ट्रीय संगठनो की बढ़ती भूमिका तथा उसके महत्व को जान सकेंगे एवं वैश्विक शांति स्थापना में अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों कीभूमिका को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : अर्थ, प्रकृति अभ्युदय एवं विकास	2		1	15	25
	2.राष्ट्र संघ की स्थापना,उद्देश्य एवं सिद्धान्त	3		1		
	3.राष्ट्र संघ के प्रमुख अंग एवं उनके कार्य	4		1		
	4.राष्ट्र संघ की विफलता के कारण	2		1		
मॉड्यूल-2	1.विश्व मजदूर संघ	2		1	15	25
	2.अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन	3				
	3.यूनेस्को एवं यूनिसेफ	3	1	1		
	4.विश्व स्वास्थ्य संगठन	2	1	1		
मॉड्यूल-3	1.विश्व व्यापार संगठन	4	1	1	15	25
	2.अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष	2	1	1		
	3.विश्व बैंक	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.क्षेत्रीय संगठन - स्वरूप एवं आवश्यकता	2		1	15	25
	2.प्रमुख क्षेत्रीय संगठन विशेषत: सार्क, आसियान, ओपेकएवं ओ.ए.एस.	6	1	1		
	3.विश्व शांति में अन्तर्राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय संगठनों की भूमिका	2	1	1		
योग		40	07	13	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. भसीन,अ. (2020). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन.* प्रभात प्रकाशन. 2. फडिया,बी.एल.(2021). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन.* साहित्य भवन पब्लिकेशन. 3. भसीन, अनीस.(2018). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन.* प्रभात प्रकाशन. 4. फडिया,कुलदीप (2019). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन.* साहित्य भवन पब्लिकेशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: शिरीष,नीना.(2004). *संयुक्त राष्ट्र संघ* हिन्दी माध्यम कार्यांवय निदेशालय. 2: श्रीवास्तव, सुधा.रानी.(2012). *मानव अधिकार.* मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 3: सिंह,रामपाल.(2017). *संयुक्त राष्ट्र संघचुनौतियाँ एवं भविष्य.* ग्लोबल एक्सचेंज पब्लिशर्स.

		4: तिवारी,डॉ.पंकज कुमार.(2018). *संयुक्त राष्ट्र संघ बदलते संदर्भ एवंप्रासंगकिता.* अंकित पब्लिकेशन. 5. पंत,पु. (2017). *अन्तर्राष्ट्रीय संबंध.* मिनाक्षी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://www.drishtiias.com/hindi/images/dlp-demo/cgpsc/gs-pack-2/National-and-International-Organizations-and-Events.pdf Date 05-07-2022 file:///C:/Users/Fuji%20Guruji%20Dept/Downloads/Block-4.pdf Date 05-07-2022 http://egyankosh.ac.in//handle/123456789/71332 Date 05-07-2022 https://digitallibrary.in.one.un.org/TempPdfFiles/3149_1.pdf Date 05-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design) :

1. पाठ्यचर्या का नाम: भारत में राज्य राजनीति

(Name of the Course): **State Politics in India**

2.पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-122
(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 4
(Credit)

4.सेमेस्टर: सप्तम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र राज्य-राजनीति के महत्व एवं आयाम के बारे में,उसकी भूमिका के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी राजनीति के क्षेत्र के बारे में, राज्य राजनीति की प्रकृति के बारे में तथा उसके स्वरूप के बारे में जान सकेंगे।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी भारत में राज्य राजनीति के अर्थ, परिभाषा, प्रकृति एवं राज्य राजनीति के विविध प्ररूपों एवं दृष्टिकोण के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी स्वतंत्र भारत में राज्यों के पुनर्गठन, राजनीति के निधारक तत्वों, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं एकीकरण की समस्याओं का अवलोकन कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी भारत की केन्द्रीय राजनीति, केंद्र-राज्य संबंध तथा मतदान व्यवहार एवं चुनाव सुधारों का विश्लेषण कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी भारत में राज्य विधानमंडल की कार्य प्रणाली, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद तथा राज्यपाल के कार्यों एवं भूमिका के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Inter action/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	1.भारत में राज्य राजनीति : अर्थ, परिभाषा एवं प्रकृति	3	1	1	15	25
	2.भारत में राज्य राजनीति का महत्व	3	1	1		
	3.राज्य राजनीति के अध्ययन कासैद्धान्तिक आधार एवं दृष्टिकोण	4		1		
मॉड्यूल-2	1.भारतीय संघवाद एवं केंद्र राज्य संबंध	3	1	1	15	25
	2.राज्य राजनीति के निर्धारक तत्व : राजनीतिक दल, दबाव समूह और जनमत	3	1	1		
	3.राज्य राजनीति के निर्धारक तत्व : वर्ग,जाति, लिंग, धर्म, सम्प्रदाय,दलित और क्षेत्रीय मुद्दे	3	1	1		
मॉड्यूल-3	1.राज्य राजनीति में मतदान व्यवहार एवं चुनाव सुधार	3	1	1	15	25
	2.केन्द्रीय राजनीति का राज्य राजनीति पर प्रभाव	3	1	1		
	3.राज्य-राजनीति का राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव	3	1	1		
मॉड्यूल-4	1.राज्य-विधानमण्डल और उसकी कार्य-प्रणाली	3	1	1	15	25
	2.राज्य-मन्त्रिपरिषद तथा राज्य-राजनीति में मुख्यमन्त्री	3	1	1		
	3.राज्य-राजनीति में राज्यपाल की भूमिका	3	1	1		
योग		37	11	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. मंगलानी,रूपा. (2020). *भारतीय शासन एवं राजनीति*. राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 2. कोठारी,रजनी.(2013). *भारत में राजनीति*. ओरियंट ब्लैकश्वान. 3. कोठारी,रजनी.(2010). *भारत में राजनीति आज और कल*. वाणी प्रकाशन . 4. फड़िया,डॉ.बी.एल. एवं फड़िया, कुलदीप.(2021). *भारतीय शासन एवं राजनीति*. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1; पटनायक,किशन.(2022). *भारतीय राजनीति पर एक दृष्टि*. नास्तिक नोशन. 2: शरण ,शंकर.(2021). *धर्म संस्कृति एवं राजनीति*. प्रतिश्रुति प्रकाशन. 3: खात्री,हरीश.कुमार.(2022). *भारत मे राज्यो की राजनीति*. कैलाश पुस्तक सदन. 4: भसीन,अनीश.(2018). *भारत के राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश*. प्रभात प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	https://www.uok.ac.in/notifications/(2)%20Manisha%20Sharma.pdf Date 05-07-2022 https://content.kopykitab.com/ebooks/2016/10/9063/sample/sample_9063.pdf Date 05-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. **पाठ्यचर्या का नाम: (Name of the Course):** समकालीन राजनीतिक सिद्धांत
2. **पाठ्यचर्या का कोड: (Code of the Course):** GPPS-C-123
3. **क्रेडिट: (Credit)** 4
4. **सेमेस्टर: (Semester)** अष्टम

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

1. इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य समकालीन राजनीतिक सिद्धान्त की अवधारणाओं, विचारों तथा सिद्धांतों से छात्र को अवगत कराना है।
2. इसके अंतर्गत विभिन्न विचारकों के सिद्धांतों, विचारों व धारणाओं की ऐतिहासिक एवं विश्लेषणात्मक व्याख्या करना, विभिन्न वैचारिक पहलुओं की निरंतरता व परिवर्तन , विभिन्न अवधारणाओं , सिद्धांतों व नजरिए में अंतर की आलोचनात्मक व्याख्या को उद्देश्यपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा जिससे समकालीन राजनीति सिंद्धात की समझ विकसित हो सकें।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्क्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

- विद्यार्थी राजनीतिक सिद्धान्त क्या है, उसका वर्तमान स्वरूप क्या है, इन प्रश्नों के बारे में जान सकेंगे।
- विद्यार्थी विचारधाराओं के अंत की अवधारणा तथा राजनीतिक सिद्धांतों का प्रभाव आदि का विश्लेषण कर सकेंगे।
- विद्यार्थी समकालीन राजनीतिक सिद्धांतों तथा विचारकों के बारे में अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
- विद्यार्थी आधुनिकतावाद, उत्तर-आधुनिकतावाद, नारिवाद, समुदायवाद एवं पर्यावरणवाद जैसे सिद्धांतों को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी बहुसंस्कृतिवाद, अस्तित्ववाद एवं दृष्टिकोण के सिद्धान्त के बारे में जान सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	राजनीतिक सिद्धांत का अभिप्राय, स्वरूप एवं महत्व : वर्तमान परिप्रेक्ष्य	3	1	1	15	25
	व्यवहारवाद एवं उत्तर-व्यवहारवाद (डेविड ईस्टन)	4				
	राजनीतिक सिद्धांत का पतन	2				
	विचारधाराओं का अंत और राजनीतिक सिद्धांत पर प्रभाव (फूकोयामा)	3		1		
मॉड्यूल-2	उदारवादी राजनीतिक सिद्धांत एवं उसकी आलोचना (मैकफर्सन)	3	1	1	15	25
	न्याय का सिद्धांत (जॉन राल्स)	3	1	1		
	राजनीति का महत्व (हन्ना आरेंट)	2		1		
	राजनीति का क्षेत्र (माइकल ओकशॉट)	2				
मॉड्यूल-3	आधुनिकतावादी एवं उत्तर-आधुनिकतावाद (मिशेल फूको)	4	1	1	15	25
	नारीवाद	2		1		
	समुदायवाद	2		1		
	पर्यावारणवाद	2		1		
मॉड्यूल-4	बहुसंस्कृतिवाद	3	1	1	15	25
	अस्तित्ववाद (जे. पी. सार्त्र)	3	1	1		
	दृष्टिकोण का सिद्धांत (एड्वर्ड सईद)	3	1	1		
योग		**41**	**07**	**12**	**60**	**100**

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उफ्शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
समकालीन राजनीतिक सिद्धांत पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. दाधीच,नरेश.(2015). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*. रावत पब्लिकेशन्स. 2. सिंघल,एस.सी.(2020). *आधुनिक राजनीतिक सिद्धांत*. लक्ष्मी नारायण अग्रवाल. 3. किमिलिका,विल.(2009). *समकालीन राजनीतिक दर्शन: एक परिचय*. पीयरसन. 4. फड़िया,डॉ.बी.एल. एवं फड़िया, कुलदीप.(2021). समकालीन राजनीतिक सिद्धांत. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 5. गाबा,ओमप्रकाश.(2018). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*. मयूर बुक्स. 6. जैन,कला. एवं जैन,आर.के.(2020). *समकालीन राजनीतिक सिद्धांत*. आरोही पब्लिकेशन्स.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. सिंह,भोला.प्रसाद.(2016). *उत्तर आधुनिकतावाद (राजनीति , समाज, संस्कृति)*. रावत पब्लिकेशन्स. 2. *ज्यॉ, पॉल.सार्त्र*. (अनुवादक पारख,जवरीमल्ल).(2016). *अस्तित्ववाद एवं मानववाद*. प्रकाशन संस्थान. 3. सिंघल,डॉ.बैजनाथ.(2017). *उत्तर आधुनिकता स्वरूप और आयाम*. साहित्य अकादमी. 4. पाण्डेय,उपासना. (2007). *उत्तर आधुनिकतावाद और गांधी*. रावत पब्लिकेशन्स. 5. दधीच,नरेश.(2021). *जॉन राल्स का न्याय सिद्धान्त(अत्यंत संक्षिप्त परिचय)*. वेडर पब्लिकेशन्स.
3	ई-संसाधन	http://mdudde.net/books/MA/MA%20pol%20science%20-%20done/M.A.%20(F)%20-%20Pol%20Sci/ma-ps11-2nd-Contemporary%20Political%20Thought%20&%20Theory.pdf Date 05-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: प्रमुख देशों की विदेश नीति

(Name of the Course): Foreign Policy of Major Countries

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-124
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: अष्टम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति संघर्ष एवं परस्पर अंतरनिर्भरता पायी जाती है। कोई भी देश अलग्थलग होकर पूरी तरह अलग होकर नहीं रह सकता।
- विभिन्न देशों की विविध प्रकार की जरूरतों की पूर्ति के लिए उनमे पारस्परिक अंतरनिर्भरता उन्हे एक दूसरे के नजदीक लाती है और इससे सहयोग एवं मतभेद की ताकतों को भी बल मिलता है,
- इन सब की समझ विकसित करने को यह पाठ्यक्रम प्रमुख देशों की विदेश नीति पर प्रकाश डालता है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति, प्रथम तथा द्वितीय विश्व युद्ध में उसकी भूमिका तथा वर्तमान समय में अमेरिका का अन्य देशों के साथ सम्बन्धों का अवलोकन कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति, तथा अन्य देशों के साथ उसके संबंधो को जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी चीन व जापान की विदेश नीति तथा समकालीन विश्व सम्बन्धों के बारे में जान सकेंगे।
4. विद्यार्थी ब्रिटेन तथा फ्रांस की विदेश नीति तथा 1990 के बाद अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में इनकी महत्ता को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार(Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल -1	1.भारत की विदेश नीति (महाकाव्यों एवं ऋग्वैदिक काल में)	4		1	15	25
	2.संयुक्त राज्य अमेरिका की विदेश नीति:प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (1945 से 1990 तक)	4		1		
	3.1990 से अद्यतन	4		1		
मॉड्यूल -2	1.सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: प्रथम विश्व युद्ध के पूर्व (1919 के पूर्व)	2	1	1	15	25
	2.सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: प्रथम विश्व युद्ध के बाद (1919 से 1945 तक)	3	1	1		
	3.सोवियत संघ/रूस की विदेश नीति: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद (1945 से 1990 तक) एवं 1990 से अद्यतन	4	1	1		
मॉड्यूल -3	1.चीन की विदेश नीति:	6	1	1	15	25
	2.जापान की विदेश नीति:	5	1	1		
मॉड्यूल -4	1.ब्रिटेन की विदेश नीति	6	1	1	15	25
	2.फ्रान्स की विदेश नीति:	5	1	1		
योग		43	07	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. नरूला,बी.सी.(2021). *प्रमुख राष्ट्रों की विदेश नीति.अर्जुन पब्लिशिंग हाउस.* 2. शर्मा,मथुरालाल.(1982).प्रमुख देशों की विदेश नीति.कालेज बुक डिपो. 3. फडिया,बी.एल.एवं फड़िया, कुलदीप.(2020). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 4. पन्त, पुष्पेश. एवं जैन, श्रीपाल. (2021). *प्रमुख देशों की विदेश नीतियां. मीनाक्षी प्रकाशन.*
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: पंत,हर्ष.वर्धन.(2022). *भारतीय सुरक्षा एवं विदेश नीति.* प्रभात प्रकाशन. 2: फाडिया,बी.एल.(2021). *अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति (सिद्धांत एवं व्यवहार).*साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 3: दीक्षित, जे एन. (20.) *भारतीय विदेश नीति.* प्रभात प्रकाशन. . गांगुली,सुमित.(2018).*भारत की विदेश*

		नीति पुनरावलोकन एवं संभावनाएं. आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. 4: यादव,आर.एस.(2013). *भारत की विदेश नीति.* किनडरस्ले.
3	ई-संसाधन	https://ia800904.us.archive.org/12/items/in.ernet.dli.2015.401520/2015.401520.Pramukh-Desho.pdf Date 09-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1. पाठ्यचर्या का नाम: समसामयिक अंतराष्ट्रीय राजनीतिक मुद्दे

(Name of the Course): Contemporary International Political Issues

2. पाठ्यचर्या का कोड: GPPS-C-125
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: अष्ठम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- वर्तमान आधुनिक परिवेश में राजनीति का स्वरूप तेजी से बदल रहा है।
- राजनीति मानव सभ्यता के सामाजिकशासन का उत्तर परिणाम है।
- अतः वैश्वीकरण की ऐतिहासिक तथा भौगोलिक प्रक्रिया, पर्यावरण और पारिस्थितिकी का दृष्टिकोण, आतंकवाद का साक्षेप विषय, सामाजिक लिंग-विभेद और महिला-विकास, उत्तर-दक्षिण विभेद की ऐतिहासिक-आधुनिक स्थिति, शीत-युद्धांकाल के उदय तथा अंत की समीक्षा, नागरिक समाज का उदय, नई विश्व-व्यवस्था में मानवाधिकार का पुनरागमन और स्थिति तथा शासन के बदलते आयाम जैसे सभी विषयों पर इस पाठ्यक्रम द्वारा अध्येता के दृष्टिबोध को समृद्ध करने का प्रयास किया गया है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. विद्यार्थी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के समसामयिक मुद्दे जैसे आतंकवाद, नृजातीय संघर्ष एवं पहचान का संकट के बारे अपनी समझ विकसित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में प्रवासन, शरणार्थी, गरीबी तथा विकास के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी वैश्विक विचारधाराओं और उसके प्रभाव के बारे में समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर पर्यावरणीय चिंताओं को समझ सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	भूमण्डलीकरण/वैश्वीकरण ,उदारीकरण,निजीकरण	4	1	1	18	30
	2.मानव विकास	4	1	1		
	3.जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चिंताएँ	4	1			
मॉड्यूल-2	1.आतंकवाद	4	1	1	12	20
	2.नारीवाद	4	1	1		
मॉड्यूल-3	1.संयुक्त राष्ट्र : लोकतंत्रीकरण एवं अन्य चुनौतियाँ	4	1	1	15	25
	2.नृजातीय संघर्ष : सोमालिया, लीबिया, काश्मीर, दक्षिण चीन सागर	7	1	1		
मॉड्यूल-4	1.प्रवासन तथा शरणार्थी, गरीबी तथा विकास	4		1	15	25
	2.धर्म, संस्कृति तथा पहचान का संकट	4		1		
	3.एकपक्षवाद बनाम बहुपक्षवाद	4		1		
योग		43	7	10	60	

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					सत्रांत परीक्षा (70%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. बाजपेयी,अरूणोदय.(2012). *समकालीन विश्व एवं भारत-प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ.* पीयर्सन. 2. जौहरी, जे.सी. (2020).अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में समकालीन मुद्दे. एस. बी. पी.डी. पब्लिकेशन्स. 3. फडिया,बी.एल.एवं फड़िया, कुलदीप.(2019). समकालीन राजनीतिक मुद्दे. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1; फड़िया,डॉ.बी.एल.(2019). *अंतरर्राष्ट्रीय राजनीति.* साहित्य भवन पब्लिकेशन.

		2: जैन,प्रो.बी.एम.(2019). *अंतरर्राष्ट्रीय संबंध* राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी. 3; पंत,पुष्पेश. (2020). *21वी शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय संबंध*. टी. एम. एच. 4: मिश्रा, राजेश **(2019).** *भारतीय विदेश नीति: भूमंडलीयकरण के दौर में*. ओरिएंट ब्लैक स्वान. 5: फडिया,बी.एल.(2021). *अन्तर्राष्ट्रीय संगठन*. साहित्य भवन पब्लिकेशन.
3	ई-संसाधन	**http://www.dspmuranchi.ac.in/pdf/Blog/attachment-2.pdf** Date 09-07-2022

पाठ्यचर्या-विन्यास (Course Design)

1 पाठ्यचर्या का नाम: अंतराष्ट्रीय विधि

(Name of the Course): International Law

2 पाठ्यचर्या का कोड: (Code of the Course) GPPS-C-126

3 क्रेडिट: (Credit) 4

4 सेमेस्टर: (Semester) अष्टम

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

- विद्यार्थियो को अंतरर्राष्ट्रीय विधि पर भारतीय दृष्टिकोण का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। अंतर्राष्ट्रीय विधि का राष्ट्रीय विधि से संबंध एवं विभिन्न विषयो पर भारतीय अभ्यास को समझ सकेंगे।
- पाठ्यचर्या का उद्देश्य विद्यार्थियो को कौटिल्य एवं मनु द्वारा वर्णित दंड नीतियो से परचितकराना है।
- पाठ्यचर्या का प्रमुख उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार से विद्यार्थियो को परिचित करना एवं देशीय लोगो एवं असमर्थ व्यक्तियों के अधिकारो से परिचित करना है।

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम –CLOs
(Cours learning outcoms)

1. विधि के नियमो तथा सिद्धांतों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
2. अंतरराष्ट्रीय विधि के उन सिद्धांतों से छात्र परिचित हो सकेंगे जिन्हे परंपरागत रूप से 'शांति विधि' कहा जाता है।
3. अंतरराष्ट्रीय विधि मे भारतीय दृष्टिकोण को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
4. विवादो का निपटारा, युद्ध तथा तटस्थता से संबन्धित विधि, अपराध, न्यायाधिकरण, तथा युद्ध एवं युद्ध अपराध को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
5. अंतरराष्ट्रीय मानवीय विधि एवं भारत मे मानवाधिकार से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ सेमिनार (Interaction/ Seminar)		
मॉड्यूल-1	अंतरराष्ट्रीय विधि की परिभाषा एवं संकल्पना	3		1	**18**	30
	2.अंतरराष्ट्रीय विधि की प्रकृति	2		1		
	3.अंतरराष्ट्रीय विधि के स्रोत	3	**1**	**1**		
	4: अंतरराष्ट्रीय विधि का ऐतिहासिक विकास	4	1	1		
मॉड्यूल-2	1.भारत मे अंतरराष्ट्रीय विधि	**2**			**12**	20
	2.मनु द्वारा वर्णित दंड एवं न्याय सिद्धांत	**2**		1		
	3.याज्ञवल्क्य स्मृति एवं महाकाव्यों मे वर्णित दंड एवं न्याय व्यवस्था	**2**				
	4.कौटिल्य एवं शुक्राचार्य द्वारा वर्णित दंड एवं न्याय व्यवस्था	**4**		**1**		
मॉड्यूल-3	1. अंतरराष्ट्रीय विधि तथा राष्ट्रीय विधि का संबंध	3		1	**15**	25
	2:अंतरराष्ट्रीय विधि का संहिताकरण	3		1		
	3: अंतरराष्ट्रीय विधि के सामान्य सिद्धांत	4		1		
	4: अंतरराष्ट्रीय विधि मे व्यक्ति का स्थान	2				
मॉड्यूल-4	1. प्रत्यर्पण एवं युद्ध	3		1	**15**	25
	2. अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रसंविदा	3		1		
	3.अंतरराष्ट्रीय प्रसंविदा एवं भारत का संविधान	3		1		
	4:भारत मे मानवाधिकार आयोग	3				
योग		**46**	**02**	**12**	**60**	**100**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches,Methods,Techniquesand Teaching Tools) :

अभिगम	विद्यार्थी केन्द्रित निर्माणवादी, निगमनात्मक एवं आगमनात्मक, संश्लेषणात्मक एवं विश्लेषणात्मक।
विधियाँ	प्रश्नोत्तर, अवलोकन, निर्देशन, अनुदेशन, आख्यान, पैनल एवं संगोष्ठी चर्चा का मिश्रित प्रयोग किया जाएगा।
तकनीक	आईसीटी तकनीक का प्रयोग किया जाएगा।
उपादान	बोर्ड,ऑडियो, वीडियो, पीपीटी, रेखाचित्र, इत्यादि का प्रयोग विषयानुकूलता के अनुरूप किया जाएगा।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	मूल अवधारणाओं की समझ	प्रक्रियात्मक ज्ञान	मुद्दों की पहचान	अन्वेषण कौशल	संचार कौशल	पेशेवर नैतिक व्यवहार	आईसीटी कौशल
X	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**

टिप्पणी:

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(30%)					**सत्रांत परीक्षा (70%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	06	06	08	10	
पूर्णांक	**30**				**70**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. कपूर, डॉ. एस.के.(2017). *मानवाधिकार एवं अंतरराष्ट्रीय विधि*. सेंट्रल लॉ एजेंसी. 2. फड़िया,डॉ.बी.एल.(2021). *अंतरराष्ट्रीय कानून*. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स. 3. शुक्ल,डॉ.सियारम.(2016). अंतर्राष्ट्रीय विधि. हिन्दी बुक सेंटर. 4. भनोट,के.एम.(2019). *अंतर्राष्ट्रीय कानून*. लक्ष्मी बुक डिपो. 5. शर्मा,डॉ.वाई.एम. एवं तायल,डॉ.विमलेंदु. (2022) .*अंतर्राष्ट्रीय विधि* एवं मानवाधिकार. यूनिवर्सिटी बुक हाउस.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1: जोसी,के.सी.(2022). *अंतर्राष्ट्रीय विधि एवं मानवाधिकार*. एस्टेर्ण बुक कंपनी. 2: फड़िया,डॉ.बी.एल. एवं फड़िया,डॉ.कुलदीप.(2022). *अंतरराष्ट्रीय संगठन एवं अंतरराष्ट्रीय कानून*. साहित्य भवन पब्लिकेशन्स.
3	ई-संसाधन	http://avadhlawcollege.com/wp-content/uploads/2020/12/Public-International-Law-Unit-1.pdf Date 09-07-2022 https://legalaffairs.gov.in/sites/default/files/Ebook-one-year-modi-2.0.pdf Date 09-07-2022